राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,14जून-2021 वर्ष-4, अंक -141पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वर्क फॉम होम में काम के दबाव से उलझ रही रिश्तों की डोर

पुणे। कोरोना लॉकडाउन में करीब डेढ़ साल से वर्क फ्रॉम होम के जरिये दफ्तर का दबाव घर पहुंचकर रिश्तों की दीवार में दरारें डालने लगा है। ऐसे घर जहां पति-पत्नी में से एक ही काम करता है वहां रिश्तों की डोर अधिक उलझ रही है। इससे जीवनसाथी और बच्चों के साथ संबंधों में चिड़चिड़ापन आ रहा है। नतीजतन भावनात्मक सलाह लेने वालों में पुरुषों की संख्या बढ़ रही है। पुणे में लॉकडाउन के दौरान घरेलू विवाद को लेकर महिलाओं, बच्चों व वरिष्ठ नागरिकों की बढ़ती शिकायतें सुलझाने के लिए खुले 'भरोसा सेल' के मुताबिक पिछले साल जहां महिलाओं की शिकायतें अधिक थीं दूसरी लहर में पुरुषों की शिकायतें बढ़ी हैं। उनके काम के तनाव में जीवनसाथी की उनसे मदद की उम्मीद उनके रिश्तों को बिगाड़ रही है। ऐसे में उनके लिए इस तनाव से बाहर आना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्क फ्रॉम होम में अमूमन काम के घंटे बढ़ जाते हैं। इसके अलावा ऑफिस की तरह सीटिंग नहीं होना या आरामदायक उपयुक्त फर्नीचर नहीं होने से शारीरिक जटिलताएं आती हैं। इन सब के बीच जब जीवनसाथी के साथ एक दूसरे को समझने में चूक होती है तो रिश्तों में इसका असर होता है।

पुरुषों की दलील, पत्नी काम का दबाव नहीं समझती

भरोसा सेल में काउंसिलिंग करने वाली वकील प्रार्थना बताती हैं कि पुरुषों की सबसे मुख्य शिकायत यह होती है कि उनकी पत्नी काम के दबाव को समझना ही नहीं चाहती है। उन्हें लगता है कि घर से काम करते वक्त हमें उनकी मदद भी करनी चाहिए। ऐसा नहीं करने पर तनाव की स्थिति बनती है। अधिकतर पुरुषों का मानना है कि उनकी पत्नी को लगता है कि वे कुछ खास काम नहीं करते बस कंप्यूटर के आगे बैठे रहते हैं। प्रार्थना के मुताबिक जिन घरों में पति पत्नी दोनों पेशेवर हैं वहां मुश्किलें कम हैं। दोनों जीवनसाथी एक दूजे के काम के तनाव को भलीभांति समझते हैं और इनके बीच आपसी तालमेल भी बैठ जाता है।

कोरोना से मौतों पर फिर विवाद

7 गुना मौतों का दावा करने वाली विदेशी मीडिया रिपोर्ट को केंद्र ने खारिज किया, कहा- आंकड़े भरोसे के लायक नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उस मीडिया रिपोर्ट को खारिज किया है, जिसमें कोरोना से हुई असल मौतों को सरकारी आंकड़ों से 5 से 7 गुना ज्यादा बताया गया था। सरकार ने रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों को गलत बताया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने बिना नाम लिए उस रिपोर्ट की निंदा की है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने द इकॉनॉमिस्ट में छपे आर्टिकल को काल्पनिक और भ्रम फैलाने वाला बताया है। मंत्रालय ने कहा है कि रिपोर्ट में जिस तरह से महामारी के आंकड़ों का आकलन किया गया है, उसका कोई आधार नहीं है। किसी भी देश में इस तरह से आंकड़ों का अध्ययन नहीं किया जाता।

4 पॉइंट में केंद्र की सफाई

1. रिपोर्ट में ये नहीं बताया गया है कि रिसर्च किस प्रणाली से की गई थी। जबकि इस तरह की इंटरनेट रिसर्च के लिए रिसर्च गेट और पबमेड की सहायता ली जाती है।

2. रिपोर्ट में तेलंगाना के बीमा क्लेम को भी आधार बनाया गया है। इससे भी पता चलता है कि स्टडी का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है।

3. चुनावी रिजल्ट को लेकर सर्वे करने वाली सी-वोटर और प्रश्नम जैसी एजेंसियों के डेटा का भी इस्तेमाल किया गया है। जबकि इन एजेंसियों को पब्लिक हेल्थ से जुड़े रिसर्च का कोई अनुभव नहीं है। कई बार उनके दावे रिजल्ट से अलग भी रहे हैं।

4. रिपोर्ट में खुद कहा गया है कि जो अनुमान लगाए गए हैं, स्थानीय सरकारी डेटा, कुछ कंपनियों के रिकॉर्ड और मरने वाले लोगों के रिकॉर्ड से लिए गए हैं। जिन्हें विश्वसनीय नहीं माना जा सकता है।

ICMR और WHO की गाइडलाइन का पालन कर रही सरकार

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि सरकार कोरोना के डेटा को लेकर पूरी पारदर्शिता (ट्रांसपेरेंसी) अपना रही है। कोरोना से होने वाली मौतों में गड़बड़ी से बचने के लिए उन गाइडलाइंस का पालन किया जा रहा है, जो भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने मई 2020 में जारी की थीं। मौतों का सही रिकॉर्ड रखने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी किए गए ICD-10 कोड का पालन किया जा रहा है।

आंकड़ों की स्टडी करता है केंद्र

केंद्र सरकार पहले ही राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कोरोना का सही डेटा जारी करने के लिए कह चुकी है। केंद्र सरकार की टीमें भी इस पर काम कर रही हैं। राज्यों से आने वाले डेटा का रोजाना जिलेवार अध्ययन किया जाता है। जिन राज्यों से लगातार मौत के आंकड़े काफी कम आ रहे थे, उन्हें जिलेवार फिर से इसकी जांच करने के लिए कहा गया था। केंद्र सरकार ने बिहार सरकार को कोरोना से सभी जिलों में हुई मौतों पर एक रिपोर्ट देने के लिए भी कहा है।

केंद्र ने आगे कहा है कि महामारी के दौरान रिकॉर्ड की गई मौतों में हमेशा अंतर रहता है। इस पर अच्छी तरह से रिसर्च आमतौर पर बाद में ही की जाती है, जब महामारी खत्म हो चुकी होती है तो हमारे पास विश्वसनीय डेटा मौजूद रहता है।

मैगजीन ने 19 सप्ताह के डेटा को बनाया आधार

ब्रिटेन की मैगजीन द इकोनॉमिस्ट ने दावा किया था कि भारत में कोरोना से जितनी मौतें सरकारी आंकड़ों में दिखाई गई हैं, असल में मौतें उससे 5 से 7 गुना ज्यादा हुई हैं। शनिवार को मैगजीन ने एक आर्टिकल पब्लिश किया था। इसमें वर्जिनिया की कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी के क्रिस्टोफर लेफलर की रिसर्च को आधार बनाया गया था।

रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में 2021 में महामारी के पहले 19 सप्ताह के दौरान प्रति 1 लाख लोगों में से 131 से लेकर 181 लोगों की मौत हुई है। ये डेटा 6 राज्यों में हुई रिसर्च के आधार पर जारी किया गया था। यदि इसे पूरे देश में लागू किया जाए तो 2021 में 19 सप्ताह के अंदर ही 17 लाख से लेकर 24 लाख लोगों की मौत हुई है।

अभी भी घातक है कोरोना

2 अप्रैल के बाद सबसे कम नए केस लेकिन मौतें 3300 पार

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे के अंदर कोरोना के 80 हजार 834 नए मामले दर्ज किए गए हैं। 71 दिनों यानी 2 अप्रैल के बाद भारत में कोरोना के इतने कम नए केस आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अब देश में कोरोना के सक्रिय मामले घटकर 10 लाख 26 हजार 159 हो गए हैं। हालांकि, इस अवधि में कोरोना के कारण 3 हजार 303 लोगों ने दम भी तोड़ा है। अब तक कोरोना की वजह से देश में कुल 3 लाख 70 हजार 384 मरीज जान गंवा चुके हैं। लगातार 31वें दिन कोरोना से ठीक होने वालों की संख्या इसके नए मरीजों की तुलना में ज्यादा रही। बीते एक दिन में 54 हजार 531 एक्टिव केस घटे हैं। अभी तक कोरोना से देश में कुल 2 करोड़ 80 लाख 43 हजार 446 मरीज ठीक हो चुके हैं। इसमें से 1 लाख 32 हजार 62 मरीज पिछले 24 घंटे में ठीक हुए हैं। देश में संक्रमण से ठीक होने वालों की दर 95.26 फीसदी पर पहुंच गई है। वहीं, साप्ताहिक संक्रमण दर भी 5 फीसदी से नीचे आ गई है। दैनिक संक्रमण दर लगातार 20 दिनों से 10 फीसदी से नीचे है और पिछले 24 घंटे में यह 4.74 फीसदी रही। अभी तक देश में कोरोना के कुल 37.81

करोड़ नमूनों की जांच हो चुकी है तो वहीं, 25.31 करोड़ लोगों को कोरोना रोधी टीका दिया जा चुका है।

लुटियंस की पुरानी डिजाइन से मिलता-जुलता होगा सेंट्रल विस्टा का प्लांटेशन

नई दिल्ली। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत साल 2022 में भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस तक एक नया संसद भवन तैयार किया जाना है। इसके अलावा इसके तहत एक नए आवासीय परिसर के निर्माण की परिकल्पना की गई है, जिसमें प्रधानमंत्री और उप-राष्ट्रपति के आवास के साथ-साथ कई नए कार्यालय भवन और मंत्रालयों के कार्यालयों के लिए केंद्रीय सचिवालय का निर्माण होना है। इस परियोजना पर काम कर रहे डिजाइनरों और आर्किटेक्ट ने कहा कि नए सेंट्रल विस्टा को डिजाइन करते समय वृक्षारोपण का ध्यान ओरिजनल लुटियंस दिल्ली की तरह रखने की कोशिश की जाएगी। सेंट्रल विस्टा रिडेवलप्मेंट प्रोजेक्ट में डिजाइनरों को सलाह दे रहे पर्यावरणविद् और लेखक प्रदीप कृष्ण ने बताया कि नई वृक्षारोपण योजना को 1912 में राजधानी के लिए ब्रिटिश डिजाइन को दोहराया गया है। बीते सालों में जो गलतियां शहर के बागवानी विभागों ने की हैं उन्हें भी सुधारा जाएगा। कृष्ण ने कहा कि सेंट्रल विस्टा परियोजना के सलाहकार के रूप में, उन्होंने लुटियंस के डिजाइन के मूल पैटर्न को

यथासंभव बनाए रखने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि नई डिजाइन केंद्रीय लोक निर्माण विभाग और नई दिल्ली नगर परिषद द्वारा वर्षों से किए गए वृक्षारोपण को भी सुधार सकती है।

पेड़ों को चुनने में तीन बातें अहम

शुरू में लुटियंस दिल्ली के एवेन्यू में केवल 13 पेड़ की प्रजातियों को चुना गया था बाद में यह संख्या बढ़ाकर 16 कर दी गई। कृष्ण ने बताया कि क्राइटेरिया यह था कि उस विशेष एवेन्यू के लिए चुने गए पेड़ों का शेप और साइज को फ्रेम करने के लिए सही होना चाहिए, जिसमें तीन बातों का ध्यान रखा गया- उनका साइज सही होना चाहिए, उन्हें सदाबहार होना चाहिए और वे सामान्य नहीं होने चाहिए. यही कारण था कि मुगलों द्वारा पसंद की जाने वाली प्रजातियां, जैसे कि आम या शीशम को एवेन्यू योजना में जगह नहीं मिली थी।

लुटियंस के प्रोजेक्ट में 3200 बड़े पेड़

लुटियंस की परियोजना में लगभग 450 पेड़ थे, जिनमें से कम से कम 385 राय-जामुन के पेड़ थे। हालांकि आज यहां कम से कम 3200 बड़े पेड़ हैं। परियोजना डिजाइन के प्रभारी फर्म एचसीपी डिजाइन प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (एचसीपी) के प्रवक्ता ने कहा कि लगभग 1080 राय-जामुन के पेड़ हैं।

गोवा में 21 जून तक बढ़ाया गया कोरोना कर्फ्यू

अभी जारी रहेंगी पाबंदियां

पणजी। देश में कोरोना वायरस के कहर में उतार-चढ़ाव जारी है। यही वजह है कि कुछ जगहों पर पाबंदियां बरकरार है तो कुछ जगहों पर ढील दी जा रही है। इस बीच गोवा ने लॉकडाउन को बढ़ाने का फैसला किया है। गोवा सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लागू किए गए कर्फ्यू को 21 जून तक बढ़ाने की घोषणा की है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को कहा कि कर्फ्यू को 21 जून सुबह सात बजे तक बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री सावंत ने ट्विटर पर इसकी जानकारी देते हुए कहा, पंचायत और नगरपालिका क्षेत्रों में स्थित दुकानों को भी सुबह सात बजे से अपराह्न तीन बजे तक खोलने की अनुमति दी गयी है। 50 लोगों के साथ शादी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। इसकी विस्तृत जानकारी

जिलाधिकारियों की ओर से जारी की जाएगी। गौरतलब है कि गोवा में शनिवार को कोविड-19 के 472 नये मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 1,62,048 हो गयी जबकि 15 मरीजों की मौत होने से मृतकों की तादाद बढ़कर 2914 हो गई।

एनएसजी और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय ने आंतरिक सुरक्षा के लिए एएमओयू पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। आतंकवाद, अपहरण, बंधक जैसी परिस्थितियों में बेहद सटीक कार्रवाई करने वाली राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने अपनी मारक क्षमता और धारदार करने के लिए राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के साथ सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। एनएसजी महानिदेशक एमए गणपति और विश्वविद्यालय के कुलपति बिमल एल पटेल ने इस एमओयू के जरिए आंतरिक सुरक्षा की कई अहम चुनौतियों से मुकाबले के लिए एक ठोस रोड मैप तैयार किया है। इस समझौते में अनुसंधान, प्रशिक्षण, मान्यता और विभिन्न प्रशिक्षण व शैक्षणिक प्रमाणन को

शामिल किया गया है। इसका मकसद एनएसजी की विशिष्ट जरूरतों के आधार पर तैयार किए गए डिजाइन एवं तकनीकी ब्योरे को सुरक्षा पर केंद्रित स्टार्टअप के साथ जोड़ा जा सके। एनएसजी के मुताबिक, इससे संस्थान को विश्व स्तर का बनाने और अत्याधुनिक सुविधाओं के निर्माण में स्वदेशी क्षमता को उजागर किया जा सकेगा। साथ ही एनएसजी की ओर से चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान करने और उसके प्रमाणन की सुविधा होगी। इससे युवकों में सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी अध्ययन के साथ नई सोच का रास्ता बनेगा।

जबरन धर्मांतरण कराने के आरोपी को जमानत: हाईकोर्ट ने कहा- धर्मांतरण कानून लागू होते ही पीड़िता को कैसे हो गई अपने अधिकारों की जानकारी

प्रयागराज। युवती से चार साल तक दुष्कर्म करने और धर्म बदलने के दबाव डालने के आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शिकायत दर्ज कराने वाली पीड़िता को ही कटघरे में खड़ा कर दिया। कोर्ट ने कहा अपनी मर्जी से चार साल तक आरोपी के साथ रहने वाली पीड़िता को प्रदेश में धर्मांतरण विरोधी अध्यादेश लागू होते ही अचानक अपने अधिकारों की जानकारी हो गई। उसके कृत्य से उसकी मानसिकता उजागर होती है। महोबा निवासी मुन्ना खान की जमानत अर्जी पर सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने कहा कि पीड़िता याची के सभी कार्यों में अपनी मर्जी से सक्रिय सहभागी रही है। इससे जाहिर है कि वह अपनी इच्छा से आरोपी के साथ रह रही थी और यहां तक की दूसरे व्यक्ति के साथ शादी हो जाने के बाद भी उसने आरोपी से रिश्ते बनाए रखे। याची मुन्ना खान के खिलाफ पीड़िता ने चार मार्च 2021 को महोबा कोतवाली में आईपीसी की धाराओं के अलावा धर्मांतरण विरोधी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है।

आरोप है कि दोनों एक ही महोबा के एक ही मोहल्ले बजरिया में पिछले

चार वर्षों से एक साथ रह रहे थे। उनके बीच शारीरिक संबंध थे। प्राथमिकी आरोप लगाया गया है कि मुन्ना खान ने पीड़िता की अश्लील तस्वीरें और वीडियो बना लिए थे जिनके आधार पर उसे ब्लैक मेल कर दुष्कर्म करता रहा। यह रिश्ता चार वर्षों तक लगातार चलता रहा और इस दौरान पीड़िता ने न कभी विरोध किया और न ही किसी से शिकायत की। आठ दिसंबर 2020 को पीड़िता ने दीपक कुशवाहा नाम के व्यक्ति से शादी की और दिल्ली चली गई। पीड़िता ने पुलिस और मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए बयान में कहा है कि 18 फरवरी 2020 को वह महोबा वापस आई और फिर अपनी बहन के साथ मुन्ना खान के यहां उरई में दो मार्च तक रही। जहां मुन्ना खान ने उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल जांच से स्पष्ट है कि पीड़िता की आयु 19 वर्ष है। उसने कोई औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं की है। वह उसी इलाके में रहती है जहां आरोपी रहता है।

महोबा जैसे छोटे शहर में यह संभव नहीं है कि पीड़िता आरोपी की पृष्ठ भूमि और धर्म से परिचित न रही हो। वह भी चार साल तक उसके साथ रहने के बाद। आरोपी के पास से पुलिस को जांच में कोई फोटोग्राफ या वीडियो नहीं मिला है। अपने बयान में भी पीड़िता ने कहा है कि वह पिछले चार वर्षों से आरोपी के साथ रिश्ते में थी। पीड़िता की हकीकत उसके बयानों से ही जाहिर होती है। आज की तारीख तक उसका धर्म परिवर्तन नहीं हुआ है। जिससे अध्यादेश की धारा 12 इस मामले में लागू नहीं होती है। हालांकि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि जमानत आदेश में की गई टिप्पणियां का ट्रायल कोर्ट के फैसले पर कोई प्रभाव नहीं होगा। यूपी में धर्मांतरण अध्यादेश नवंबर 2020 में लाया गया मगर सरकार ने इसे मार्च 21 में गजट में प्रकाशित किया। चार मार्च 21 को राज्य पाल के हस्ताक्षर के बाद यह प्रदेश में लागू हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

खड़ी कर दी मुसीबत

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने यह कहकर न केवल अपने, बल्कि अपनी पार्टी के लिए भी मुसीबत खड़ी करने का काम किया कि यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो अनुच्छेद 370 को बहाल करने पर विचार किया जाएगा। इससे भी खराब बात यह रही कि उन्होंने यह बात इंटरनेट प्लेटफार्म क्लबहाउस में एक पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल के जवाब में कही। एक तरह से उन्होंने वही कहा, जो पाकिस्तान कहता चला आ रहा है। कांग्रेसी नेताओं की ऐसी ही बातों के कारण उन पर यह आरोप लगता है कि वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। दिग्विजय सिंह ने अपने बयान को लेकर सफाई देने की जो कोशिश की, वह लीपापोती के अलावा और कुछ नही, क्योंकि उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने को न केवल दुखद करार दिया, बल्कि सत्ता में आने पर उसकी बहाली की भी आस जगाई। क्या उनके बयान को कांग्रेस का आधिकारिक बयान माना जाए? यदि इस सवाल का जवाब सामने नहीं आता तो यही माना जाएगा कि 370 के बारे में जो विचार दिग्विजय सिंह के हैं, वही कांग्रेस के भी है। वैसे भी

यह किसी से छिपा नहीं कि कांग्रेस को अनुच्छेद 370 हटाया जाना रास नहीं आया था और उसने इसके बावजूद इस फैसले के लिए मोदी सरकार की संसद के भीतर-बाहर आलोचना की थी कि कई कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी की आधिकारिक लाइन से अलग लाइन ली थी। भले ही दिग्विजय सिंह और कुछ अन्य लोग अनुच्छेद 370 की वापसी का सपना देखें, लेकिन हकीकत यही है कि अब उसकी बहाली संभव नहीं। यह ठीक है कि फारुक अब्दुल्ला ने दिग्विजय सिंह को धन्यवाद देने में देर नहीं की, लेकिन भेदभाव को बढ़ावा देने, अलगाव की भावना पैदा करने और आतंकवाद को हवा देने वाले अनुच्छेद 370 की बहाली की बातों को देश कभी स्वीकार नहीं कर सकता। इस अनुच्छेद की बहाली की उम्मीद करने वाले एक तरह से दिवास्वप्न ही देख रहे हैं। यदि अनुच्छेद 370 के मामले में कांग्रेस दिग्विजय सिंह के साथ खड़ी होती है तो वह अपनी बची-खुची राजनीतिक हैसियत को और कमजोर करने का ही काम करेगी। समझना कठिन है कि कांग्रेसी नेता रह-रहकर ऐसे बयान क्यों देते रहते हैं, जो देश विरोधी ताकतों के मन की मुराद पूरी करते हैं? इस मामले में दिग्विजय सिंह का कोई जोड़ नहीं। वह कभी आतंकी सरगना ओसामा बिन लादेन को सम्मानपूर्वक संबोधित करते हैं, कभी जाकिर नाइक जैसे उन्मादी तत्व के साथ मंच साझा करते हैं और कभी मुंबई हमले को आरएसएस की साजिश बताते हैं। उन्हें यह अहसास हो जाए तो बेहतर कि उन्होंने 370 की बहाली की बात करके देश का अहित ही किया है।

अव्यवस्था के जंगलराज में नष्ट हो रहें जंगल

(लेखिका- सोनम लववंशी)

पर्यावरण और जीवन एक-दूसरे के पूरक हैं। एक में भी छेड़छाड़ करने का असर दूसरे पर भी पड़ता है। अब तक की आई महामारियों ने इस बात को और भी साफ़ कर दिया है। पर्यावरण और महामारियों के बीच पुराना सम्बंध रहा है। वह चाहें साल 1347 में यूरोप में फैली ब्लैक डेथ की बात हो, अमेरिका में 1610 में आया चेचक हो या फ़िर 1918 का स्पैनिश फ़्लू। हर दफ़ा पर्यावरणीय सन्तुलन के साथ खिलवाड़ होने पर किसी न किसी महामारी ने हमें आईना दिखाया है। पिछले दो दशकों को ही ले लीजिए दुनिया ने कई वायरस जनित बीमारियों का सामना किया है। इतना ही नहीं अब तक फैलने वाली चार में से तीन महामारियां जानवरों से इंसानों में आई है। वहीं पर्यावरणविदों की मानें तो वनों की अंधाधुंध कटाई, क़ुदरत द्वारा प्रदत्त संसाधनों का अतिदोहन और जानवरों के असामान्य भक्षण ने जैव विविधता की डोर को ही नहीं तोड़ा है, अपितु इसका खामियाजा हमें भी भुगतना पड़ रहा है। भले ही कोरोना जानवरों से आदमी में आया यह थ्योरी अभी सत्यता के तराजू पर न मापी गई हो, लेकिन कोरोना काल ने जैव विविधता के संरक्षण और वन संरक्षण की अहमियत को बता दिया है। कोरोना की दूसरी लहर में लोगों को ऑक्सीजन की कमी से मरते हुए शायद ही कोई हो जिसने न देखा हो। महामारी के इस दौर में ऑक्सीजन की किल्लत से यह बात साफ हो गई कि एक प्रकृति ही है जो बीना किसी मोल के हमारी जरूरतों को पूरा करती है। कोरोना की दूसरी लहर में मौत का भयावह मंजर मध्यप्रदेश ने भी देखा है, लेकिन इसी बीच मध्यप्रदेश का बकस्वाहा जंगल सुर्खियों में बना हुआ है। जिसकी वजह यहां के जंगलों में हीरे की खान होने की बात कही जा रही है। कहा जा रहा है कि यहां पन्ना से भी 15 गुना अधिक हीरा मौजूद हो सकता है। जिसे निकालने के लिए इस वन क्षेत्र को नष्ट करने की बात हो रही है। अब सवाल यह उठता है कि वन ज्यादा जरूरी है या फिर हीरे? इसको लेकर सरकार से लेकर आमजन के अपने-अपने तर्क हो सकते हैं। लेकिन बड़ी बात यही है कि कोरोना काल से हमनें क्या सीख ली है? क्या कोई और तरीका नही हो सकता जिससे हीरे भी निकाले जा सके और इस वन क्षेत्र को भी सुरक्षित बचाया जा सके। इस क्षेत्र में करीब 2.5 लाख पेड़ है जो कि 382.131 हेक्टेयर जंगल मे है, जिन्हें काटने की बात कही जा रही है। इसकी शुरुआत 20 साल पहले प्रोजेक्ट डायमंड बंदर के सर्वे के रूप में ही की जा चुकी थी। तो वही 2 साल पहले प्रदेश सरकार ने इस जंगल की नीलामी तक कर दी थी जिसे आदित्य बिड़ला समूह की एससेल्स माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज ने 50 साल की लीज पर लिया है। 62.64 हेक्टेयर जमीन को मध्यप्रदेश सरकार ने लीज पर दे रखा है वही कंपनी 382.131 हेक्टेयर जंगल की मांग कर रही है। उनका कहना है कि इस जंगल से निकले मलवे को डंप करने के लिए उन्हें यह जमीन चाहिए। अगर ऐसा होता है तो यह तय मानिए की इससे बक्सवाहा का पूरा जंगल ही स्वाहा हो जाएगा। प्रकृति ने मनुष्य को जल और जंगल देकर अपना अटूट प्रेम बरसाया है। पर मानव ने अपने स्वार्थ के चलते इन्हें नष्ट करने में कोई कोर कसर नही छोड़ी है। देखा जाए तो हमारी कई सभ्यताएं जंगलों में ही विकसित हुई है। लेकिन वर्तमान समय में हमारे जंगल घटते जा रहे है। कोरोना काल मे जिस तरह से ऑक्सीजन की किल्लत से जनता त्राहिमाम् त्राहिमाम कर रही थी उसे कौन भूल सकता है। इंडियन काउंसिल ऑफ फारेस्ट्र रिसर्च एंड एजुकेशन में एक पेड़ की औसत उम्र 50 साल मानी गयी है। इन 50 सालों में एक पेड़ 23 लाख 68000 रुपये कीमत का वायु प्रदूषण को कम करता है । साथ ही 20 लाख की कीमत का भू -क्षरण को भी नियंत्रित करता है। अब यहां लाख टके का सवाल यही उठता है कि हीरा जरूरी है या फिर जंगल? हीरा निकालने के लिए जंगल की कटाई कितनी सही है? यह सरकार को सोचना होगा, क्योंकि क़ीमत सिर्फ़ हीरे की नहीं उस पेड़ की भी है। जिसपर तलवार लटकी हुई है। बुंदेलखंड का क्षेत्र पहले से ही सूखा ग्रस्त की श्रेणी में आता है। इन पेड़ों की कटाई के बाद यह क्षेत्र ओर वीरान हो जाएगा। इन जंगलों के दुर्लभ वृक्ष के साथ ही इन जंगलों में निवास करने वाले जीव जंतुओं का भी विनाश तय है। एक तरह से देखा जाए तो पूरी प्राकृतिक संरचना ही नष्ट होती दिखाई पड़ रही है। पर हमारे राजनेताओं को इस बात से कहा फर्क पड़ना है। उन्हें तो सिर्फ इस वन में चमचमाते हीरो की चमक ही दिखाई दे रही है। ऑक्सीजन की किल्लत से मरते लोग महज एक आंकड़ा थे, है और रहेंगे। जो हीरे से प्राप्त आंकड़े के सामने शायद कुछ भी नहीं। देखा जाए तो सदियों से मानव ने जंगलों का विनाश ही किया है। अपनी भोग विलास की लालसा को पूरा करने के लिए मनुष्य ने जंगलों को बर्बरता से उजाड़ा है। यही सिलसिला मुसलसल अभी भी जारी रहा तो वह दिन दूर नही जब हमारी सभ्यता ही खतरे में पड़ जाएगी। एक अनुमान के मुताविक जंगलों का दसवां भाग तो पिछले 20 सालों में ही खत्म हो गया है। बात सिर्फ़ मध्यप्रदेश की करें तो यहां भी बीते दो-चार वर्षों में जंगल घटे ही हैं।इन जंगलों की कटाई कभी नए नगर बसाने के नाम पर तो कभी खनन के नाम पर की जा रही है। अगर इसी तरह वनों का विनाश जारी रहा तो वह दिन दूर नही जब इस धरती से पूरी तरह से वनों का सफाया हो जाएगा। तब न ही अमेजन के जंगलों का रहस्य बच पाएगा और न हिमालय के जंगलों की सम्पदा बच पाएगी। ग्लोबल वॉर्मिंग की ओर बढ़ती दुनिया में हम जिन वनों से कुछ उम्मीद लगा सकते हैं, वे तो पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। कोरोना काल में ऑक्सीजन की किल्लत के बीच मध्यप्रदेश के सीहोर में एक नज़ीर पेश की गयी थी। यहां सागौन का पेड़ काटने पर एक किसान पर 1 करोड़ 21 लाख रुपए का भारी भरकम जुर्माना लगाया गया था।अब सवाल यही उठता है कि जब वन विभाग बक्सवाहा में खुद पेड़ों को काटने के लिए गिनती कर रहा है, तो फिर दोषी किसे माना जाएगा? इतना ही नहीं इस अव्यवस्था के 'जंगलराज' का असल जिम्मेदार कौन होगा? आख़िर में सिर्फ़ क्या सवाल इतने बड़े हीरे की खान मध्यप्रदेश के घने जंगल मे ही क्यों मिली, वह देश के बंजर भूमि में भी तो मिल सकती थी, लेकिन मानव की परीक्षा शायद प्रकृति भी ले रही। अब यह मानव के विवेक पर निर्भर करता है। वह क्या करेगा?

'आज के ट्वीट

प्रकृति

प्रकृति की सुन्दरता अकल्पनीय, अवर्णनीय एवम् अकथनीय है । प्रकृति को बचायें , वृक्ष ज़रूर लगायें।

- मनु भाकर

ज्ञान गंगा

परम मुक्ति

सद्गुरु

अगर आप इस जीवन के बारे में, इसकी प्रकृति के बारे में जानते हैं, अगर आप अपने जीवन के सभी आयामों से बखूबी परिचित हैं, तो आप यादों के उस बुलबुले के बारे में भी जानते होंगे, जिसमें फिलहाल आप अभी रह रहे हैं। आप उससे बाहर भी निकलना चाहेंगे। मान लीजिए कि पिछली यादें वापस आपके पास आई, किसी ने आपको इसके बारे में बताया नहीं, आपने वास्तव में महसूस किया, तो आप देखेंगे कि आप इसे हजारों बार कर चुके हैं, लेकिन फिर भी आप उसी एक जैसी प्रक्रिया से बार-बार गुजर रहे हैं। मैं चाहता हूं कि आप अपने जीवन की प्रक्रिया पर नजर डालें..आप पैदा हुए, आपने चलना सीखा, यह आपके लिए सबसे रोमांचक चीज थी, आपने कोई चीज खाई, जो बेहद शानदार थी, इस तरह आप बड़े होते गए, फिर आपकी शादी हुई, आपने यह किया, वह किया, पैसा कमाया, बच्चे पैदा किए और फिर आप मर गए। मैं आपके जीवन की कहानी को थोड़ा छोटा करके पेश कर रहा हूं। उसके बाद आप फिर से पैदा हुए, पहली बार खड़े होने पर आप फिर से रोमांचित हुए, इतना ही नहीं, आप अपनी साइकिल चलाने पर भी खूब खुश हुए, आप फिर से अपनी गर्लफ्रेंड से मिले, आप बहुत खुश थे, और फिर से आपकी शादी हो गई और ऐसे ही यह सिलसिला चलता गया। बार-बार जीवन क्रम ऐसे ही दोहराता रहा। तो अच्छी तरह से रहने का मतलब है कि आपने जीवन के सभी पहलुओं को अच्छी तरह से समझ लिया। अगर आपने जीवन को जानने के लिए यहां मौजूद सभी चीजों को अच्छी तरह से समझ लिया तो अब तक तो आपकी यादों का वो बुलबुला फूट जाना चाहिए, जिसको आप सहेजकर रख रहे थे। अगर ये सारे बुलबुले आपके भीतर फूट पड़ें तो निश्चित रूप से आप दूसरे आयाम की ओर बढ़ना चाहेंगे। आज हर इंसान अपनी तरक्की चाहता है, भले ही वह कुछ भी कर रहा हो। आप स्कूल पढ़ने गए, क्या आपको स्कूली जीवन में मजा आया? बेशक आया। तो अगर स्कूल का जीवन इतना अच्छा था, तो क्या हम आपको हमेशा के लिए स्कूल में रख सकते हैं? या फिर आप कॉलेज जाना चाहेंगे? क्यों? क्योंकि यह मानव की प्रकृति नहीं होती। एक बार अगर उसे अहसास हो जाता है कि वह बार-बार उन्हीं चीजों को दोहरा रहा है तो वह परेशान होगा, उसे तकलीफ होगी।

पंजाब की चुनावी बिसात : अकाली-बसपा फिर साथ

राजकुमार सिंह

पंजाब में अभी जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस जबर्दस्त अंतर्कलह में उलझी है तथा मुख्य विपक्षी दल आम आदमी पार्टी और भाजपा को अगले साल के शुरू में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति तय करनी है, कई बार सत्तारूढ़ रह चुके शिरोमणि अकाली दल ने बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन का ऐलान कर बड़ा चुनावी दांव चल दिया है। शनिवार को घोषित गठबंधन के अनुसार विधानसभा की 117 सीटों में से 20 पर मायावती की बसपा चुनाव लड़ेगी, जबकि शेष 97 पर अकाली उम्मीदवार उतरेंगे। भाजपाई नेतृत्व वाले राजग से अकाली दल के अलगाव के बाद ही तय हो गया था कि पंजाब चुनाव में चतुष्कोणीय मुकाबला होगा, लेकिन इस नये गठबंधन से लगता है कि कहीं मुकाबला त्रिकोणीय ही न हो जाये और भाजपा की उपस्थिति कुछ शहरी सीटों तक ही न सिमट जाये। बेशक चुनाव वोट बैंक का अंकगणित भर नहीं होते, लेकिन उसे पूरी तरह नजरअंदाज भी तो नहीं किया जा सकता। कमोवेश हर चुनाव में वोट बैंक के अंकगणित के आधार पर ही समीकरण बिठाये जाते हैं। 2017 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में, दो बार से सत्तारूढ़ अकाली-भाजपा गठबंधन की पराजय तय समझी जा रही थी, लेकिन मुख्य मुकाबला कांग्रेस और आप के बीच सिमट जायेगा, इसकी उम्मीद शुरू में किसी को नहीं थी। अगर कुछ घटनाओं से अंतिम क्षणों में मतदाताओं का रुख नहीं बदला होता तो दिल्ली में मूलाधार वाली आप आज पंजाब की सत्ता पर काबिज होती। 2014 के लोकसभा और 2017 के विधानसभा चुनाव में पंजाब के मतदाताओं से आप को जैसा अप्रत्याशित समर्थन मिला, वह अन्य दलों से निराशा का संकेत भी है। हर चुनाव में सत्ता परिवर्तन की पंजाब की परंपरा के मद्देनजर तो वर्ष 2012 में अकाली-भाजपा गठबंधन को मिला लगातार दूसरा जनादेश आश्चर्यजनक ही था। स्वाभाविक ही 10 साल के अकाली-भाजपा शासन से उपजी सत्ता विरोधी भावना का लाभ पिछले चुनाव में कांग्रेस और आप को मिला। अब खुद कांग्रेस में मुख्यमंत्री के विरुद्ध असंतोष जैसा मुखर है, उसके मद्देनजर जन भावनाओं का अनुमान लगा पाना मुश्किल नहीं होना चाहिए। ऐसे में स्वाभाविक सवाल यही है कि कांग्रेस शासन से निराश मतदाताओं का विश्वास कौन सा दल और नेता जीत पायेगा? अकाली दल से गठबंधन बिना भाजपा को पंजाब में बड़ी राजनीतिक ताकत कभी नहीं माना गया। देश में सर्वाधिक 32 प्रतिशत दलित मतदाता पंजाब में हैं। इसलिए दलित को मुख्यमंत्री बनाने का शिगूफा भले ही भाजपा ने छोड़ दिया हो, पर सच यही है कि उसके पास प्रदेश स्तर का कोई प्रभावशाली नेता ही नहीं है। दलित उप मुख्यमंत्री का शिगूफा कांग्रेस और अकाली दल ने भी छोड़ा है। आप ने पिछली बार चमत्कारिक प्रदर्शन किया था, लेकिन उसके बाद लगातार अंतर्कलह से उसने अपनी साख गंवायी ही है। भाजपा की तरह आप के पास भी प्रभावशाली नेता का अभाव है। इसीलिए वह दूसरे दलों के नेताओं से संपर्क में है। ऐसे में आश्चर्य नहीं होना चाहिए अगर पंजाब की सत्ता के लिए मुख्य संघर्ष कांग्रेस और अकाली-बसपा गठबंधन में सिमट जाये। इन दलों में पहले भी गठबंधन रह चुका है और पंजाब के सामाजिक समीकरण के मद्देनजर यह निर्णायक भी बन जाता है। अकाली दल का मुख्य जनाधार गांव-किसानों में है। उसमें भी जट्ट सिख ज्यादा मुखर रहते हैं। नये कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की दहलीज पर छह महीने से जारी किसान आंदोलन और इसी मुद्दे पर राजग सरकार से अलगाव का फायदा अकाली दल को मिल सकता है, पर यह तथ्य चौंकाने वाला है कि अपने संस्थापक कांशीराम की जन्मस्थली पंजाब में 32 प्रतिशत दलित मतदाताओं के बावजूद बसपा अकेले दम कभी बड़ी राजनीतिक ताकत नहीं बन पायी। बसपा ने दो बार ही प्रभावी चुनावी प्रदर्शन किया है। 1992 में विधानसभा की नौ सीटें जीत कर और उसके बाद अकाली दल से गठबंधन के चलते 1996 में लोकसभा की तीन सीटें जीत कर। जाहिर है, पंजाब के दलित मतदाता बसपा को अपनी एकमात्र राजनीतिक पहचान के रूप में नहीं देखते।

इसलिए अकाली-बसपा गठबंधन का चुनावी प्रदर्शन इस पर ज्यादा निर्भर करेगा कि बसपा दलित वोटों में कितना हिस्सा बंटा पाती है, पर उससे पहले सबसे अहम सवाल यह है कि क्या तब तक यह गठबंधन बना रहेगा? हरियाणा का घटनाक्रम ज्यादा पुराना नहीं हुआ है, जहां बसपा ने कमोवेश उसी रफ्तार से साझीदार बदले थे, जिस रफ्तार से फैशन शो में परिधान बदले जाते हैं।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

फेम दो के तहत सब्सिडी में बढ़ोतरी से बढ़ेगी इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग: हीरो

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी हीरो इलेक्ट्रिक ने कहा है कि फेम दो के तहत सब्सिडी बढ़ाने से देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ाने में मदद मिलेगी। हीरो इलेक्ट्रिक के प्रबंध निदेशक नवीन मुंजाल ने कहा कि यह सबसे महत्वपूर्ण फैसला है। सब्सिडी की सीमा में बढ़ोतरी पासा पलटने वाली होगी। इससे पेट्रोल के दाम 100 रुपए प्रति लीटर पर पहुंचने के बीच उपभोक्ताओं का रुझान इलेक्ट्रिक स्कूटरों की ओर बढ़ेगा। सरकार ने फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक वेहिकल्स इन इंडिया चरण दो (फेम इंडिया दो) योजना में आंशिक संशोधन किया है। इसके तहत इलेक्ट्रिक दोपहिया के लिए मांग प्रोत्साहन को बढ़ाकर 15,000 रुपए प्रति केडब्ल्यूएच कर दिया गया है। पहले सभी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 10,000 प्रति केडब्ल्यूएच की समान सब्सिडी थी। इनमें प्लग इन हाइब्रिड और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड शामिल हैं। बसें इसमें शामिल नहीं हैं। ताजा संशोधन के तहत भारी उद्योग मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक दोपहिया के लिए प्रोत्साहन की सीमा को वाहन की लागत के 40 प्रतिशत तक सीमित किया है। पहले यह सीमा 20 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि हम अपनी पहुंच का विस्तार कर रहे हैं, चार्जिंग पॉइंट लगा रहे हैं और मेकेनिक्स को नए सिरे से प्रशिक्षण दे रहे हैं, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया जा सकेगा।

आईआईटी बीएचयू और ग्रिल के बीच रोड रिसर्च लैब के लिए करार

वाराणसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय) ने थ्रस्ट एरिया में अनुसंधान की आवश्यकता को देखते हुए एक सड़क अनुसंधान प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए जीआर इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड (जीआरआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, समझौता ज्ञापन पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन और जीआरआईएल के अध्यक्ष विनोद कुमार अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए। केंद्रीय सड़क, परिवहन, राजमार्ग और एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने आईआईटी बीएचयू और ग्रिल को बधाई दी है और कहा है कि गुणवत्ता से समझौता किए बिना सड़कों की स्थिति में सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, इस विषय पर ग्रिल और आईआईटी जैसे निजी क्षेत्रों का साथ में काम करना बहुत गर्व की बात है। नए शोध के चलते यह संभव हुआ है। सड़क निर्माण में ठोस अपशिष्ट सामग्री का उपयोग एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आईआईटी के शोधकर्ताओं से सड़कों और पुलों के निर्माण में स्टील और सीमेंट के उपयोग में कमी लाने पर काम करने का आह्वान किया है। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम व पीडब्ल्यूडी मंत्री केशव मौर्य ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन सड़क निर्माण की गुणवत्ता बढ़ाने और खचरें को कम करने के लिए बहुत प्रभावी होगा। प्रोफेसर जैन ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन पांच साल की अवधि के लिए लागू होगा। इस समझौता ज्ञापन के तहत संस्थान के शिक्षाविद और देश के अन्य विशेषज्ञ राजमार्ग सुरक्षा विकास परियोजना के तहत सड़क सुरक्षा, पर्यावरण और सामाजिक प्रभावों से संबंधित अध्ययन करेंगे। इस समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य देश में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल सड़कों के निर्माण के लिए अनुसंधान होगा।

अमेजॉन और फ्लिपकार्ट से लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है कैट

नई दिल्ली।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि अमेजॉन, वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट और कई अन्य विदेशी-वित्त पोषित ई-कॉमर्स कंपनियां पांच साल से अधिक समय से न केवल ई-कॉमर्स पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से सभी प्रकार के अनैतिक व्यापार प्रथाओं में शामिल हैं, बल्कि भारत के खुदरा व्यापार तक पर कब्जा जमाने की कोशिश में हैं। व्यापारियों के संगठन ने कहा कि उनके भयावह डिजाइनों ने देश के ई-कॉमर्स परिदृश्य को बहुत खराब कर दिया है। ऐसी स्थिति को देखते हुए, कैट सोमवार से 21 जून तक ई-कॉमर्स शुद्धिकरण सप्ताह शुरू करने जा रहा है, जिसे देशभर के हजारों व्यापार संघों का भारी समर्थन मिल रहा है। ई-कॉमर्स शुद्धिकरण अभियान के दौरान देशभर के व्यापारिक संगठन देश के सभी राज्यों के जिला कलेक्टरों को एक ज्ञापन सौंपेंगे। दूसरी ओर, व्यापार प्रतिनिधिमंडल अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्रियों और वित्त मंत्रियों से मिलेंगे और उनसे सरकार की ई-कॉमर्स नीति में एफडीआई के सख्त कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य में ई-कॉमर्स व्यापार के लिए एक निगरानी तंत्र स्थापित करने का आग्रह करेंगे। इसके साथ ही, व्यापार संघ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को एक ई-मेल भेजकर सीसीआई को अमेजॅन और फ्लिपकार्ट के व्यापार मॉड्यूल की जांच शुरू करने के लिए तत्काल निर्देश देने का आग्रह करेंगे। कैट ने इस मुद्दे पर देशभर में एक डिजिटल हस्ताक्षर अभियान शुरू करने की भी घोषणा की है। कैट ने कहा कि पिछले एक साल में भारत में ई-कॉमर्स कारोबार में 36 फीसदी की वृद्धि हुई है, खासकर पर्सनल केयर, ब्यूटी और वेलनेस बिजनेस में। किराना, एफएमसीजी उत्पादों में 70 फीसदी और 27 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स में टियर 2 और टियर 3 शहरों में ई-कॉमर्स कारोबार वर्ष 2019 में 32 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2020 में 46 प्रतिशत हो गया है। दूसरी ओर, भारत में स्मार्ट फोन के उपयोग की घातीय वृद्धि ई-कॉमर्स व्यवसाय के विस्तार में प्रमुख योगदान दे रही है।

निकाय ने आरोप लगाया है कि जिस तरह से अमेजॉन और फ्लिपकार्ट जैसी विदेशी कंपनियों ने देश के सभी कानूनों की अवहेलना की, उससे प्रीडेटरी प्राइसिंग, डीप डिस्काउंटिंग, लॉस फंडिंग व इन्वेंट्री को नियंत्रित करने और तरजीही विक्रेताओं को अपनाए जाने से भारत में छोटे व्यवसायों का भारी नुकसान हुआ है।

बीएसई, एनएसई में सोमवार से डीएचएफएल के शेयरों का कारोबार बंद होगा

नयी दिल्ली, प्रमुख एक्सचेंजों बीएसई और एनएसई में सोमवार से दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएचएफएल) के शेयरों का कारोबार बंद हो जाएगा। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा दिवालिया हो चुकी डीएचएफएल के लिए पीरामल समूह की समाधान योजना को मंजूरी के बीच बाजार जटिलताओं से बचने के लिए यह कदम उठाया गया है। न्यायाधिकरण ने सात जून को दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता के तहत समाधान योजना को मंजूरी दी थीं बीएसई और एनएसई ने शुक्रवार को अलग-अलग सर्कुलर जारी कर कहा कि वे 14 जून को डीएचएफएल के शेयरों में कारोबार बंद करेंगे। डीएचएफएल के लिए मंजूर समाधान योजना के तहत कंपनी के इक्विटी शेयरों को शेयर बाजारों से हटाना होगा।

विदेशी निवेशकों का भरोसा लौटा, जून में अब तक एफपीआई ने बाजार में डाले 13,424 करोड़ रुपए

नई दिल्ली: विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में अबतक भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 13,424 करोड़ रुपए डाले हैं। कोविड-19 संक्रमण के मामलों में कमी के बीच अर्थव्यवस्था के जल्द खुलने की उम्मीद से भारतीय बाजारों के प्रति विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से 11 जून के दौरान शेयरों में 15,520 करोड़ रुपए का निवेश किया। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''पिछले दो सप्ताह के दौरान शेयरों में विदेशी निवेशकों के शुद्ध प्रवाह की वजह कोरोना वायरस के घटते मामलों के बीच अर्थव्यवस्था के जल्द खुलने की उम्मीद है। जून में एफपीआई ने ऋण या बांड बाजार से 2,096 करोड़ रुपए की निकासी की है। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 13,424 करोड़ रुपए रहा है। इससे पहले मई में एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 2,666 करोड़ रुपए और अप्रैल में 9,435 करोड़ रुपए की निकासी की थी।

खाद्य तेलों से आयात शुल्क घटाएगी सरकार, जल्द होगा फैसला

जीओएम की प्रस्तावित बैठक में अगले सप्ताह हो सकता है कोई फैसला

नई दिल्ली।

उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों पर काबू पाने के लिए गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) की प्रस्तावित बैठक में अगले सप्ताह कोई फैसला हो सकता है। बताया जा रहा है कि खाद्य तेलों के आयात शुल्क में कटौती का विकल्प बचा है, जिस पर विचार किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर खाद्य तेलों के मूल्य में तेजी का असर तो घरेलू बाजार पर पड़ा ही है, रबी सीजन में तिलहनी फसलों की पैदावार भी प्रभावित हुई है। इसके साथ ही सरसों तेल में दूसरे खाद्य तेलों की मिलावट की मिली छूट को समाप्त करने से सरसों तेल का मूल्य बहुत बढ़ा है। जून, 2020 में जिस सरसों तेल का मूल्य 120 रुपए किलो था, वही वर्तमान में 170 रुपए प्रति किलो हो गया। सोयातेल का मूल्य 100 से बढ़कर 160 रुपये और पामोलिन ऑयल 85 रुपये से बढ़कर 140 रुपए तक पहुंच गया है। कमोबेश अन्य खाद्य तेलों के मूल्य भी इसी तर्ज पर बढ़ गए हैं। सेंट्रल ऑर्गनाइजेशन फॉर आयल इंडस्ट्री एंड ट्रेड (कोएट) के मुताबिक सीमा शुल्क में कटौती की अफवाह भर से बाजार में कीमतें टूटी हैं। मात्र एक दिन में फ्यूचर सौदों में सोयाबीन में सात रुपये और सरसों तेल में पांच से छह रुपये की गिरावट आई है। सरकार की पहल से खाद्य तेलों में 10 फीसद तक की कमी आ सकती है। तथ्य यह है कि वर्ष 1994-95 तक घरेलू खपत का मात्र 10 फीसद खाद्य तेल ही आयात किया जाता था लेकिन अब कुल जरूरतों के लगभग 65 फीसद खाद्य तेलों की भरपाई आयात से हो रही है। भारतीय बाजार में वर्तमान में सालाना 2.5 करोड़ टन खाद्य तेलों की जरूरत होती है, जिसमें से 1.50 करोड़ टन से ज्यादा का आयात करना पड़ता है। देश में 45 लाख टन सोयाबीन तेल, 75 लाख टन पाम ऑयल, 25 लाख टन सूरजमुखी तेल तथा पांच लाख टन अन्य तेलों का आयात किया जाता है।वर्ष 2020-21 में देश में कुल 3.66 करोड़ टन तिलहनी फसलों का उत्पादन हुआ है। इसमें मूंगफली 1.01 करोड़ टन, सोयाबीन 1.34 करोड़ टन और सरसों की हिस्सेदारी लगभग एक करोड़ टन रही है। लेकिन इतनी पैदावार से खाद्य तेलों की जरूरतों को पूरा करना संभव नहीं है। यही वजह है कि वैश्विक स्तर पर कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा असर हमारी रसोई पर पड़ता है।

2021-22 में एक दर्जन से अधिक वित्तीय सेवा कंपनियों के 55,000 करोड़ रु. के आईपीओ आएंगे

मुंबई:

भुगतान क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पेटीएम के निदेशक मंडल ने 22,000 करोड़ रुपए की शेयर बिक्री योजना को मंजूरी दे दी है। ऐसे में आने वाले दिनों में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का बाजार काफी बड़ा रहने की उम्मीद है। वित्तीय प्रौद्योगिकी सहित करीब एक दर्जन वित्तीय सेवा कंपनियां चालू वित्त वर्ष के दौरान 55,000 करोड़ रुपए से अधिक के आईपीओ लाने की तैयारी कर रही हैं। निवेश बैंकरों ने यह जानकारी दी। एक दर्जन से अधिक बीमा, संपत्ति प्रबंधन, वाणिज्यिक बैंकिंग, गैर-बैंक, सूक्ष्म वित्त, आवास वित्त और भुगतान बैंक कंपनियों ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा कराए हैं। ऐसे में आगामी महीनों में आईपीओ बाजार में वित्तीय सेवा क्षेत्र का दबदबा रहने की उम्मीद है। जिन कंपनियों ने सेबी के पास आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा कराए हैं उनमें आधार हाउसिंग फाइनेंस (7,500 करोड़ रुपए), पालिसी बाजार (4,000 करोड़ रुपए), एप्टस हाउसिंग फाइनेंस (3,000 करोड़ रुपए), स्टार हेल्थ इंश्योरेंस (2,000 करोड़ रुपए), आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी (1,500 से 2,000 करोड़ रुपए), आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज (1,800 करोड़ रुपए), फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस (1,700 करोड़ रुपए), फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक (1,330 करोड़ रुपए), तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक (1,000-1,300 करोड़ रुपए), मेदी एसिस्ट (840 करोड़ रुपए) ओर जन स्मॉल फाइनेंस बैंक (700 करोड़ रुपए) शामिल हैं। इसके अलावा सबसे बड़े भुगतान बैंक पेटीएम के निदेशक मंडल ने 22,000 करोड़ रुपए के आईपीओ को मंजूरी दे दी है। यदि पेटीएम का आईपीओ आता है तो यह देश का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजय कुमार ने आईपीओ बाजार का प्रदर्शन काफी हद तक द्वितीयक बाजार के प्रदर्शन से जुड़ा होता है। विजयकुमार ने कहा, ''यदि शेयर बाजार में तेजी है तो इससे बड़ी संख्या में निवेशक आईपीओ बाजार के प्रति आकर्षित होते हैं। विशेषरूप से नए निवेशक ऊंचे संभावित लाभ के लिए आईपीओ बाजार का रुख करते हैं।''

अगले सप्ताह आएंगे 4 कंपनियों के IPO

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण पिछले दो महीने तक पूरी तरह सुस्त रहने के बाद धीरे-धीरे पटरी पर लौट रहा है। इसी कड़ी में बाजार की चार कंपनियां सामूहिक रूप से 9,123 करोड़ रुपए जुटाने के लिए अगले सप्ताह अपना आईपीओ लाने जा रही हैं। इससे पहले आखिरी आईपीओ मैक्रोटेक डेवलपर्स (पहले लोढ़ा डेवलपर्स) का आया था, जो 7 अप्रैल को खुलकर 9 अप्रैल को बंद हुआ था। श्याम मेटेलिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड और सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसिजन फोर्जिंग (सोना कॉमस्टार) का आईपीओ सोमवार को खुलेगा, जबकि कृष्णा इंस्टिट्यूट ऑफमेडिकल साइंसेज और डोडला डेयरी के आईपीओ बुधवार को खुलेंगे। एंजल ब्रोकिंग के इक्विटी रिसर्च एसोसिएट यश गुप्ता ने कहा कि क्लीन साइंस एंड टेक्नोलॉजी का आईपीओ जुलाई, 2021 के पहले सप्ताह में आने की उम्मीद है। इस आईपीओ का आकार 1,500 करोड़ रुपए का होगा। वहीं इंडिया पेस्टिसाइड्स का आईपीओ इसी महीने या जुलाई में आने की संभावना है। एक्सिस सिक्योरिटीज के मुख्य निवेश अधिकारी नवीन कुलकर्णी ने कहा, ''इक्विटी बाजार नकदी से भरे हुए हैं और खुदरा भागीदारी अब तक के उच्चतम स्तर पर है। छोटी और मझोली कंपनियों के लिए धन जुटाने के लिए इससे अच्छे समय की कल्पना नहीं की जा सकती। कंपनियों के लिए आईपीओ बाजार का दोहन करना काफी स्वाभाविक है।''

स्पेस जा रहे जेफ बेजोस ने नीलाम की बगल वाली सीट, इस शख्स ने दिए 205 करोड़ रुपए

बिजनेस डेस्क:

दुनिया के सबसे अमीर अरबपति और अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस अपनी कंपनी 'ब्लू ओरिजिन' की अगले महीने संचालित होने वाली पहली स्पेस फ्लाइट में सवार होंगे। जेफ की बगल वाली सीट के लिए बोली लगाई गई है।

इसमें अमेरिकी कंपनी ब्लू ओरिजिन की पहली स्पेस यात्रा के दौरान जेफ बेजोस के साथ सफर करने वाला शख्स चुन लिया गया है। अंतरिक्ष की यात्रा के लिए इस शख्स ने 28 मिलियन डॉलर यानी करीब 205 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। हालांकि, अभी तक इस शख्स के नाम का खुलासा नहीं हुआ है। ब्लू ऑरिजन ने ट्वीट कर कहा कि ये पैसा 'ब्लू ऑरिजन फाउंडेशन' को जाएगा। कंपनी ने बताया कि इस शख्स की पहचान आने वाले दिनों में सार्वजनिक की जाएगी। कंपनी के मुताबिक, स्पेस फ्लाइट में अपनी सीट हासिल करने के लिए लगी बोली में 140 से ज्यादा देशों के लोगों ने दिलचस्पी ली।

20 जुलाई को अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरेगा न्यू शेफर्ड अंतरिक्षयान

हाल ही में इंस्टाग्राम पर बेजोस ने कहा कि वह, उनके भाई और जारी एक नीलामी के विजेता ब्लू ओरिजिन के 'न्यू शेफर्ड' अंतरिक्षयान पर सवार होंगे जो 20 जुलाई को उड़ान भरने वाला है। इस यात्रा में टेक्सास से अंतरिक्ष की संक्षिप्त यात्रा की जाएगी। 20 जुलाई को अपोलो-11 के चांद पर पहुंचने की वर्षगांठ भी मनाई जाती है।

बेजोस ने फरवरी की शुरुआत में कहा था कि वह अन्य कार्यों को अधिक समय देने और अपनी कंपनी ब्लू ओरिजिन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अमेजन के सीईओ के पद को छोड़ना चाहते हैं। बेजोस ने इंस्टाग्राम पर कहा, 'धरती को अंतरिक्ष से देखना, आपको बदल देता है, इस ग्रह से आपके रिश्ते को बदल देता है। मैं इस उड़ान में सवार होना चाहता हूं क्योंकि यह एक ऐसी चीज है, जिसे मैं हमेशा से ही अपने जीवन में करना चाहता था। यह एक रोमांच है, यह मेरे लिए बेहद अहम है।' न्यू शेफर्ड यान में सीट के लिए नीलामी की बोली शनिवार को समाप्त हुई। विजेता बोली की कीमत करीब 28 लाख डॉलर रही जिसमें 143 देशों के 6,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल रहे।

वैश्विक सर्वर बाजार में डेल अग्रणी, पहली तिमाही में राजस्व 12 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली।

डेल टेक्नोलॉजीज ने इस साल की पहली तिमाही में दुनिया भर में सर्वर मार्केट रैंकिंग का नेतृत्व किया, जिससे कुल राजस्व का 17 फीसदी हासिल किया क्योंकि इस दौरान वैश्विक सर्वर बाजार 12 फीसदी (साल-दर-साल) बढ़कर 20.9 अरब डॉलर हो गया। इसकी जानकारी एक नई रिपोर्ट में सामने आई है। आईडीसी के अनुसार, पहली तिमाही में दुनिया भर में सर्वर शिपमेंट 8.3 प्रतिशत (ऑन-ईयर) बढ़कर लगभग 2.8 मिलियन यूनिट हो गया। आईडीसी में इन्फास्ट्रक्च र प्लेटफॉर्म्स एंड टेक्नोलॉजीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक पॉल मैगुरनिस ने कहा, तिमाही के दौरान सर्वर निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि वैश्विक आर्थिक टेलविंड्स के साथ-साथ व्यावसायिक अनुप्रयोगों, डेटासेंटर बुनियादी ढांचे और आईटी संचालन के आधुनिकीकरण को लक्षित निवेशों में वृद्धि के साथ हुई। एचपीई/एच3सी दूसरी सबसे बड़ी कंपनी थी, जिसका कुल राजस्व का 15.9 प्रतिशत हिस्सा था। इंसपर/इंसपर पॉवर स्टेशन और लिनोवो कुल राजस्व में 7.2 प्रतिशत और 6.9 प्रतिशत संबंधित हिस्सेदारी के साथ तीसरे नंबर पर थे। तिमाही के दौरान वॉल्यूम सर्वर की बिक्री 15.4 फीसदी बढ़कर 17.3 अरब डॉलर हो गई, जबकि मिडरेंज सर्वर की बिक्री 2.7 फीसदी घटकर 2.4 अरब डॉलर रह गई। हाई-एंड सर्वर की बिक्री 0.1 प्रतिशत बढ़कर 1.2 बिलियन डॉलर हो गई। भौगोलिक आधार पर, चीन में सर्वर राजस्व 29.1 प्रतिशत (वाईओवाई) बढ़ा जबकि एशिया/प्रशांत (चीन और जापान को छोड़कर) में 16.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक्स 86 सर्वर से उत्पन्न राजस्व पहली तिमाही में 10.9 प्रतिशत बढ़कर 18.7 अरब डॉलर हो गया, जबकि गैर-एक्स 86 सर्वर राजस्व 23 प्रतिशत बढ़कर 2.2 अरब डॉलर हो गया।

महामारी के बीच अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई असंतुलिन पुनरुद्धार की कहानी बयां कर रही: सुब्बाराव

बिजनेस डेस्क:

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने असंतुलित आर्थिक पुनरुद्धार को लेकर गहरी चिंता जताई है। सुब्बाराव ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बीच आय समानता यानी अमीर-गरीब के बीच खाई और बढ़ रही है, जो अंतुलित पुनरुद्धार की ओर इशारा करती है। उन्होंने चेताते हुए कहा कि आगे चलकर यह रुख वृद्धि की संभावनाओं को झटका दे सकता है। सुब्बाराव ने साक्षात्कार में कहा, ''असंतुलित पुनरुद्धार सैद्धान्तिक रूप से गलत और राजनीतिक दृष्टि से नुकसान पहुंचाने वाला है। घरेलू बाजार में तरलता ओर विदेशी कोषों के प्रवाह की वजह से महामारी के बीच अड़चनों के बावजूद शेयरों और अन्य संपत्तियों का मूल्य बढ़ रहा है।' पूर्व गवर्नर ने कहा कि पहले उम्मीद जताई जा रही थी कि इस साल अर्थव्यवस्था में जबर्दस्त सुधार देखने को मिलेगा लेकिन महामारी की नई लहर से ये उम्मीदें धराशायी हो गई हैं। सुब्बाराव ने कहा, ''पिछले साल अर्थव्यवस्था में चार दशक में पहली बार गिरावट आई। अर्थव्यवस्था 7.3 प्रतिशत नीचे आई। हालांकि, यह गिरावट पूर्व में लगाए गए अनुमानों से कम थी लेकिन यह इतनी गहरी जरूर थी कि इससे असंगठित क्षेत्र के लाखों परिवारों के लिए काफी मुश्किलें पैदा हो गईं। इस साल अर्थव्यवस्था में जोरदार पुनरुद्धार की उम्मीद थी, लेकिन महामारी की दूसरी लहर से इन उम्मीदों को झटका लगा है।' भारतीय रिजर्व बैंक ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि दर के अनुमान को 10.5 प्रतिशत से घटाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया है। पूर्व गवर्नर ने कहा कि 9.5 प्रतिशत की वृद्धि दर भी काफी प्रभावशाली होगी लेकिन यह पिछले साल के निचले आधार प्रभाव पर हासिल होगी। सुब्बाराव ने कहा, ÷यदि हम इस वृद्धि दर को हासिल कर भी लेते हैं, तो भी हमारा उत्पादन दो साल पहले के महामारी के पूर्व के स्तर से कम रहेगा। अब इसकी तुलना चीन से करें, जो कभी भी अपने महामारी पूर्व के स्तर से नीचे नहीं गया। इसी तरह अमेरिका के इस साल अपने महामारी पूर्व के स्तर को हासिल करने की उम्मीद है।'

सुब्बाराव ने इस बात को लेकर चिंता जताई कि महामारी के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की आय घटी और उनका रोजगार छिना है, वहीं इस दौरान कुछ अमीरों की संपदा में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने कहा, यह सैद्धान्तिक रूप से गलत और राजनीतिक दृष्टि से नुकसान वाला है।

कोविड-19: रेलवे को हुआ भारी नुकसान, प्लेटफॉर्म टिकट से कमाई में आई 94 प्रतिशत की कमी

बिजनेस डेस्क:

कोरोना वायरस संकट के कारण स्टेशनों में प्रवेश वर्जित होने के कारण 2020-21 के वित्त वर्ष में रेलवे को प्लेटफॉर्म टिकट से आमदनी पर गंभीर असर पड़ा है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इस बार प्लेटफॉर्म टिकट बिक्री से राजस्व में करीब 94 प्रतिशत गिरावट आई है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) से इस बारे में जानकारी मिली है। मध्य प्रदेश के चंद्र शेखर गौर के आरटीआई सवाल के जवाब में रेलवे ने बताया कि 2020-21 के वित्त वर्ष में फरवरी तक प्लेटफॉर्म टिकट बिक्री से उसे 10 करोड़ रुपए की कमाई हुई थी।

2019-20 में रेलवे को हुई थी 160.87 करोड़ की कमाई

आरटीआई के जवाब में कहा गया कि वित्त वर्ष 2019-20 में रेलवे को प्लेटफॉर्म टिकट से 160.87 करोड़ रुपए की कमाई हुई थी जो पिछले 5 साल में सर्वाधिक थी। मार्च 2020 में प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा से पहले ही रेलवे ने स्टेशनों पर भीड़ को कम करने के लिए कदम उठाया था। मंडल रेलवे प्रबंधकों को प्लेटफॉर्म टिकट की दर तय करने और प्रवेश पर प्रतिबंध लगाना है या नहीं, इस पर निर्णय लेने का अधिकार था। साल में अधिकतर समय कई रेलवे जोन में प्रवेश पूरी तरह से वर्जित रहा और सिर्फ वैध टिकटधारियों को ही स्टेशन में प्रवेश की अनुमति दी गई।

प्लेटफॉर्म टिकट के बढ़े दाम

बाद में लोगों को स्टेशन आने से रोकने के लिए प्लेटफॉर्म टिकट के दाम 10 रुपए से बढ़ाकर 30 रुपए और यहां तक कि कुछ निश्चित जोन में 50 रुपए करने का भी फैसला किया गया। रेलवे ने हालांकि दोहराया कि टिकटों के दाम में बढ़ोत्तरी अस्थायी है और ऐसा महामारी को रोकने के लिए किया गया है। प्लेटफॉर्म टिकट से राजस्व करीब 131 करोड़ रुपए तक होता रहा है, हालांकि 2018-19 में 139.20 करोड़ रुपए का राजस्व आया था। 2019-20 में इसने 160 करोड़ रुपए का आंकड़ा छुआ था लेकिन 2020-21 में इस वर्ष फरवरी तक यह गिरकर 10 करोड़ रुपए हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के डी गुकेश को फीडे विश्व कप शतरंज का वाइल्ड कार्ड

चेन्नई (निकलेश जैन) भारत के 14 वर्षीय ग्रांड मास्टर डी गुकेश भी अब फीडे विश्व कप शतरंज का हिस्सा होंगे । विश्व शतरंज अध्यक्ष अरकादी द्वारकोविच नें अपने वाइल्ड कार्ड शक्ति का उपयोग करते हुए गुकेश को प्रतियोगिता में प्रवेश दिया है । इससे पहले 2019 मे भारत के निहाल सरीन को इसी तरह से विश्व कप मे खेलने का मौका मिलेगा । गुकेश 2018 में दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के ग्रांड मास्टर बने थे और तब से लगातार वह अपने खेल को बेहतर करते जा रहे है और विश्व कप में मौका मिलना उनके खेल जीवन के लिए सबसे बड़ा अवसर होगा जहां वह दुनिया के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों के सामने अपना खेल दिखा पाएंगे । गुकेश के अलावा भारत के पेंटाला हरीकृष्णा , विदित गुजराती , अधिबन भास्करन , अरविंद चितांबरम ,इनियन पी पुरुष वर्ग में तो हरिका द्रोणावल्ली ,आर वैशाली , पद्मिनी राऊत और भक्ति कुलकर्णी महिला वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही है ।

चुनौतियों के बावजूद ओलंपिक में दोहरे अंक में पदक मिलने का यकीन : आईओए अध्यक्ष बत्रा

ओलंपिक जा रहे किसी खिलाड़ी को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कोई परेशानी नहीं

नई दिल्ली।

कोरोना महामारी व अन्य चुनौतियों के बावजूद भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा को उम्मीद है कि तोक्यो ओलंपिक में भारत के पदकों की संख्या दोहरे अंक में होगी। उन्होंने कहा कि ओलंपिक जा रहे किसी खिलाड़ी को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कोई परेशानी नहीं है। क्रिकेट से लेकर फुटबॉल तक लगभग हर खेल में लगातार बायो बबल में रह रहे खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य का मसला लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। बत्रा ने कहा,कोरोना काल से पैदा हुई परिस्थितियां दुनिया भर के लिये समान है लेकिन खिलाड़ियों ने इसका डटकर सामना किया है। वे सकारात्मकता के साथ अभ्यास कर रहे हैं और अब प्रतिस्पर्धा का इंतजार है। उन्होंने कहा, भारतीय खिलाड़ियों की तैयारी अच्छी है और हम शुरू से दोहरे अंकों में पदक जीतने की बात करते आये हैं और अब भी उस पर अडिग हैं। बत्रा ने बताया कि समूचे भारतीय दल को इस महीने के आखिर तक या जुलाई के पहले सप्ताह तक कोरोना के दोनों टीके लग जायेंगे। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने यह अनिवार्य नहीं किया था लेकिन आईओए ने भारतीय दल के लिये टीकाकरण अनिवार्य किया और खिलाड़ियों ने पूरा सहयोग किया। भारतीय दल तोक्यो ओलंपिक आयोजकों द्वारा जारी प्लेबुक के सभी दिशा निर्देशों का पालन कर रहा हैं और जल्दी ही तीसरी प्लेबुक आने वाली है जिसमें कोई अतिरिक्त दिशा निर्देश होने पर उनका भी पालन किया जायेगा। भारतीय दल के साथ जाने वाले एनओसी अधिकारियों की संख्या में कटौती की संभावना के सवाल पर उन्होंने कहा, एनओसी के लिये नियमों के अनुसार हर 20 खिलाड़ी पर एक अधिकारी होता है और उससे ज्यादा का सवाल ही पैदा नहीं होता। अभी तक भारत के सौ खिलाड़ियों ने ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर लिया है और 25 से 35 के और क्वालीफाई करने की उम्मीद है। जनभावनाओं का सम्मान 'करते हुए चीनी किट प्रायोजक लि निंग से नाता तोड़ने के बाद बत्रा ने कहा कि नये प्रायोजक की तलाश जारी है लेकिन नहीं मिलने पर भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, वैसे हम प्रायोजक तलाश रहे हैं और समय रहते मिल गया तो पोशाक ब्रांड के नाम वाली होगी वरना बिना ब्रांड वाली। उस पर आईओए का लोगो होगा जिस पर इंडिया लिखा है।

हरबर्ट-माहूट को फ्रेंच ओपन पुरुष युगल का खिताब

पेरिस ।

निकोलस माहूट और पियरे ह्यूज हरबर्ट की फ्रांसीसी जोड़ी ने तीन सेट में जीत दर्ज करके दूसरी बार फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल का खिताब जीता। माहूट और हरबर्ट ने शनिवार को खेले गए फाइनल में कजाखस्तान के अलेक्सांद्र बुबलिक और आंद्रे गोलुबेव को 4-6, 7-6 (1), 6-4 से हराया। यह उनका एक साथ पांचवां ग्रैंडस्लैम खिताब है। माहूट और हरबर्ट द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दो बार फ्रेंच ओपन का युगल खिताब जीतने वाली पहली फ्रांसीसी जोड़ी है। इन दोनों ने इससे पहले 2018 में यहां खिताब जीता था। माहूट ने बाद में कहा कि उनका लक्ष्य अब ओलंपिक में युगल का स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने कहा कि हम इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यह हमें प्रेरित करता है। जब मुझे अभ्यास में मुश्किल नजर आती है तो मैं इसके बारे में सोचता हूं।

ऑस्ट्रेलियाई तैराक ने 100 मीटर बैकस्ट्रोक में बनाया विश्व रिकार्ड

एडीलेड ।

कायली मैकेओन ने ऑस्ट्रेलियाई ओलंपिक तैराकी ट्रायल के दूसरे दिन 100 मीटर बैकस्ट्रोक का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस 19 वर्ष की तैराक ने रविवार रात साउथ ऑस्ट्रेलियन एक्वाटिक सेंटर में फाइनल में 57.45 सेकेंड का समय निकाला। मैकेओन से पहले यह रिकार्ड अमेरिका की रेगन स्मिथ के नाम था जिन्होंने 2019 में 57.57 सेकेंड का समय लिया था।

फ्रेंच ओपन : बारबोरा ने एकल के बाद महिला युगल खिताब भी जीता

पेरिस।

चेक गणराज्य की गैर-वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बारबोरा क्रेसीकोवा ने रोलां गैरों में जारी फ्रेंच ओपन का महिला एकल खिताब जीतने के अगले ही दिन युगल खिताब भी रविवार को अपने नाम कर लिया। 25 साल की क्रेसीकोवा ने रविवार को हमवतन कैटरिना सिनियाकोवा के साथ मिलकर महिला युगल का खिताब जीत लिया। दूसरी सीड चेक गणराज्य की जोड़ी ने महिला युगल वर्ग के फाइनल में पोलैंड की इगा स्विएतेक और अमेरिका की बैथनी मैटेक सेंडस की जोड़ी को 6-4 6-2 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। चेक गणराज्य की जोड़ी का एक साथ यह तीसरा खिताब है जबकि क्रेसीकोवा का अब तक का सातवां खिताब है। क्रेसीकोवा मौजूदा दौर में एकमात्र एक्टिव खिलाड़ी हैं, जिन्होंने किसी एक सीजन में एकल, युगल और मिश्रित वर्ग में कोई ग्रैंड स्लैम खिताब जीता है। उनसे पहले फ्रांस की मैरी पियसे ने 2000 में एक सीजन में दो खिताब जीते थे।क्रेसीकोवा इतिहास में मात्र सातवीं ऐसी महिला खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने रोलां गैरों में एकल और युगल खिताब जीते हैं।

संक्षिप्त समाचार

गेलफंड चैलेंज शतरंज - प्रग्गानंधा पास खिताब जीतने का एक और मौका

नई दिल्ली (निकलेश जैन) विश्व के 20 जूनियर खिलाड़ियों के बीच जूलियस बेर शतरंज टूर के दूसरे टूर्नामेंट 'गेलगंड चैलेंज' में तीसरे दिन के खेल के बाद भारतीय ग्रांड मास्टर प्रग्गानंधा 11.5 अंक बनाते आधे अंक के अंतर से दूसरे स्थान पर चल रहे है और उनसे आगे जर्मनी के विन्सेंट केमर 12 अंक लेकर बने हुए है तो अगर आखिरी चौथे दिन प्रग्गानंधा उन्हे पीछे छोड़ते है तो एक बार फिर वह इस टूर के विजेता बन सकते है । चौथे दिन हुए पाँच मुकाबलो में प्रग्गानंधा नें 3.5 अंक बनाए। यूएसए की यीप क्रसिया 10.5 अंको के साथ तीसरे स्थान पर चल रही है । हालांकि अन्य भारतीय खिलाड़ियों में निहाल सरीन और गुकेश नें अच्छा खेल दिखाते हुए 10 अंक बनाकर सयुंक्त चौथा स्थान हासिल कर लिया है । अंतिम दिन चार राउंड खेले जाएँगे ।

ऐसी कमजोर बल्लेबाजी से इंग्लैंड के लिए एशेज में मुश्किल होगी : वॉन

लंदन। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मिली हार के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि ऐसी कमजोर बल्लेबाजी से इंग्लैंड के लिए एशेज सीरीज कठिन होगी। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में आठ विकेट से हराकर 22 वर्षों बाद इंग्लैंड में सीरीज जीती। इस सीरीज को जीतने से कीवी टीम का मनोबल भारत के खिलाफ इसी महीने होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले को देखते हुए बढ़ा है। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच पहला मुकाबला ड्रॉ रहा था। इंग्लैंड के लिए 86 टेस्ट मैच खेलने वाले वॉन ने कहा है कि अगर टीम लगातार ऐसा प्रदर्शन करेगी तो इस साल ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में उसकी राहें कठिन होगी। वॉन ने कहा, इंग्लैंड के पास एशेज से पहले अब बल्लेबाजी में सुधार करने के लिए पांच मौके बचे हैं। टीम ऐसी कमजोर बल्लेबाजी लाइन अप के साथ ऑस्ट्रेलिया नहीं जा सकती। उनके पास कोई अवसर नहीं रहेगा। यह बल्लेबाजी लाइन अप कमजोर है और हमें अब बेहतर खिलाड़ियों की तलाश करनी चाहिए। इंग्लैंड को अगस्त-सितंबर में भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। वॉन ने कहा, इंग्लैंड ने काफी ज्यादा छेड़छाड़ की है। जब टीम ने भारत के खिलाफ 1-0 की बढ़त ली थी उसके बाद से ही सभी चीजें अनुकूल नहीं रही।

मौजूदा फुटबॉल टीम 2018 विश्व कप क्वालीफायर के लिए टीम की तुलना में बेहतर है: वेंकटेश सहायक कोच

दोहा ।

भारतीय फुटबॉल टीम के सहायक कोच षणमुगम वेंकटेश का कहना है कि मौजूदा टीम गेंद को ज्यादा से ज्यादा समय पर अपने पास रखती है और उसने 2018 विश्व कप क्वालीफायर के लिये खेलने वाली टीम की तुलना में कहीं ज्यादा सटीक पास दिए हैं। भारत पहले ही 2022 फीफा विश्व कप की दौड़ से बाहर हो चुका है लेकिन उसके पास अब भी 2023 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के अगले दौर में पहुंचने का मौका है। वेंकटेश अपने खेलने के दिनों में सीनियर राष्ट्रीय टीम की अगुआई भी कर चुके हैं और उनका कहना है कि मौजूदा टीम ने कई चीजों में सुधार किया है। उन्होंने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की आधिकारिक वेबसाइट से कहा कि पिछले विश्व कप क्वालीफायर - फीफा विश्व कप रूस 2018 क्वालीफायर - के 2015 में हुए पहले सात मैचों में तुलना की जाए तो मौजूदा टीम का गेंद पर दबदबा बनाने का औसत 10.2 प्रतिशत बढ़ गया है जो 39.8 प्रतिशत से 50 प्रतिशत हो गया है। वेंकटेश ने कहा कि पिछले क्वालीफायर के दौरान प्रत्येक मैच में पास करने की संख्या 338 थी जबकि मौजूदा टीम में अब ये बढ़कर 450 हो गए हैं। मौजूदा टीम की पास करने की सटीकता भी पिछले 74 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गई है जिसमें छह प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है।

आईपीएल में अगले साल से होंगी 10 टीमें

हर साल एक आईसीसी इवेंट के लिए भी तैयार हुए बीसीसीआई, ईसीबी और सीए

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अगले साल से दस टीमें होंगी। आईपीएल में अब अगले साल से आठ की जगह दस टीमें उतरेंगी। इन हालातों में मैचों के आयोजन के लिए बड़ी विंडो की जरुरत होगा। इसके साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हर साल एक आईसीसी इवेंट के आयोजन के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई ने आईपीएल के लिए लंबी विंडो पाने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रिषद (आईसीसी) की हर साल एक टूर्नामेंट की यह मांग मानी है। इसी माह की शुरुआत में आईसीसी ने 2023 से 2031 के बीच भविष्य दौरान कार्यक्रम (एफटीपी) की घोषणा की थी। इसके अनुसार हर साल एक आईसीसी इवेंट आयोजित होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, पहले आईसीसी के इस कार्यक्रम का विरोध कर रहे बीसीसीआई के अलावा इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) भी अब इसके लिए तैयार हैं। अभी आईपीएल में 8 टीमें खेल रही हैं। 52-54 दिन में 60 मुकाबले जा रहे हैं पर अगले सत्र से टीमों की संख्या बढ़कर 10 हो जाएगी। ऐसे में मैच की संख्या भी बढ़कर 76 या 94 हो सकती है। यदि मौजूदा नियम के हिसाब से लीग हुई तो कुल 94 मैच होंगे। यदि टीमों को दो ग्रुप में बांटकर मुकाबले कराए जाएंगे तो 76 मैच होंगे। इसके लिए बीसीसीआई को 15 से 20 अतिरिक्त दिन की जरूरत होगी। ऐसे में विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता भी कठिन होगी। आईपीएल का 14वां सत्र 4 मई को कोरोना संक्रमण के मामले पाये जाने के बाद स्थगित कर दिया गया था। अब बचे हुए 31 मुकाबले सितंबर-अक्टूबर में यूएई में होंगे। वहीं आईसीसी के नए कैलेंडर के अनुसार, 2027 और 2031 में एकदिवसीय विश्व कप में 14 टीमें होंगी और कुल 54 होंगे। 2003 की तरह सुपर-6 का फॉर्मेट होगा. दो ग्रुप में 7-7 टीमें रहेंगी। हर ग्रुप की टॉप-3 टीम सुपर-6 में जाएगी। फिर सेमीफाइनल और फाइनल होगा। इसके अलावा 2024, 2026, 2028 और 2030 में होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप में 20 टीमें उतरेंगी और 55 मुकाबले खेले जाएंगे। टी20 विश्व कप में चार ग्रुप में 5-5 टीमें रहेंगी। हर ग्रुप की टॉप-2 ग्रुप-8 में जाएगी। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल होगा। वहीं साल 2025 और 2029 में चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले भी होंगे।

वोक्स की श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के लिए इंग्लैड की टी20 टीम में वापसी

लंदन।

ऑलराउंडर क्रिस वोक्स की श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम में वापसी हुई है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने श्रीलंका के खिलाफ 23 जून से शुरू हो रही तीन मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा की। वोक्स आखिरी बार नवंबर 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ खेले थे। इस बीच, ऑलराउंडर बेन स्टोक्स, तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और सरे के रीस टॉप्ले को चोटिल होने के कारण इस सीरीज के लिए नहीं चुना गया है।इंग्लैंड के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने कहा, टी20 विश्व कप में अब कुछ महीने शेष रह गए है। ऐसे में हम अपनी टीम को उत्तम करने में जुटे हैं। हम चाहते हैं कि टीम सभी सीरीज जीते और टूर्नामेंट को देखते हुए तैयारियां करे।

कठिन परिस्थितियों में शांत रहना ओलिम्पिक में हमारे लिए महत्वपूर्ण होगा : नवनीत कौर

बेंगलुरु ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड नवनीत कौर का मानना है कि आगामी ओलिम्पिक के दौरान टीम को स्पष्ट रूप से सोचने और सही फैसले लेने के लिए कठिन परिस्थितियों में शांत रहने का तरीका ढूंढने की जरूरत होगी। भारत के लिए 79 मैच खेल चुकी नवनीत ने शनिवार को एक बयान में कहा-टीम को 23 जुलाई से शुरू होने वाले टोक्यो ओलिम्पिक खेलों के दौरान त्रुटियों को कम करने का प्रयास करना चाहिए। हम सभी के पास दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का कौशल और प्रतिभा है, हालांकि पिच पर महत्वपूर्ण फैसला लेना किसी भी टीम के लिए एक अहम बात है, इसलिए हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण होगा कि हम मुश्किल परिस्थितियों में शांत रहें और अपनी क्षमताओं के अनुसार फैसला लें। उन्होंने कहा कि एक गलत गेंद पास भी हमें काफी नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम स्पष्ट रूप से सोच रहे हैं और ओलंपिक के दौरान पिच पर बहुत अधिक अप्रत्याशित त्रुटियां नहीं कर रहे हैं। भारतीय टीम प्रबंधन यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी खिलाड़ी पिच पर भी अपनी भूमिका के बारे में स्पष्ट हों। 25 वर्षीय नवनीत ने कहा कि हम सभी के लिए पिच पर अपनी भूमिका के बारे में स्पष्ट होना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि मैच के दिन खिलाड़ियों के बीच कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। कोच और कप्तान यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर कोई अपनी भूमिकाओं के बारे में जानता हो और वे अपनी योजनाओं को कैसे कार्यान्वित कर सकते हैं, ताकि हम मैच के दौरान पिच पर अच्छा समन्वय कर सकें। ओलिम्पिक हमारे लिए एक बड़ी चुनौती होने जा रहा है और हमें अच्छे परिणाम हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। युवा फॉरवर्ड ने भारतीय टीम के प्रशिक्षण सत्र के बारे में कहा कि हम इस समय काफी कड़ा प्रशिक्षण ले रहे हैं। हम अभ्यास के दौरान मैच की स्थितियों का अनुकरण करने की कोशिश करते हैं और प्रशिक्षण सत्र के दौरान अपना शत प्रतिशत देते हैं। हम अपनी क्षमताओं को लेकर बहुत आश्वस्त हैं। सारी बात मैच के दिन अपनी योजनाओं को ठीक से क्रियान्वित करने के ऊपर है। अगर हम अपनी क्षमता के अनुसार खेलते हैं तो हम निश्चित रूप से टोक्यो में बहुत अच्छा करेंगे।

अश्विन ने बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ सफलता का कारण बताया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ सबसे सफल गेंदबाज माने जाते हैं। अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 200 बार बाएं हाथ के बल्लेबाजों के विकेट लिए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इस साल फरवरी में चेन्नई टेस्ट में स्टुअर्ट ब्रॉड को आउट करने के साथ ही ये आंकड़ा पूरा किया था। वह 143 साल के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज हैं। अब अश्विन ने बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ अपनी सफलता के कारणों को बताया है। अश्विन ने कहा है कि बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ वह इतने सफल इसलिए हैं क्योंकि वह लगातार लाइन और लेंथ बदलने के साथ अलग-अलग गेंदों का इस्तेमाल करते हैं। उनका प्रयास रहता है बल्लेबाज को दोनों तरफ गेंद डालें। जिससे उसपर दबाव बना रहे। उन्होंने आगे कहा कि मेरी कोशिश एंगल बदलकर गेंदबाजी करने की रहती है। कभी मैं ओवर द विकेट, तो कभी राउंड द विकेट गेंदबाजी करता हूं। ऐसे में गेंद बल्ले का किनारा लेकर या तो विकेट की तरह जाती है या स्लिप, शॉर्ट लेग और सिली पॉइंट के फील्डर तक पहुंच जाती है। ऐसे में विकेट लेने की संभावनाएं हमेशा बनी रहती है और बाएं हाथ के बल्लेबाजों के सामने हमेशा चुनौती बनी रहती है। अश्विन अब विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी असरदार साबित हो सकते हैं। इसका कारण है कि कीवी टीम में टॉम लैथम, डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स जैसे बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। इसमें कॉनवे शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में ही लॉर्ड्स टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था और दूसरे टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 80 रन बनाए थे। ऐसे में कॉनवे पर अंकुश के लिए अश्विन सबसे प्रभावी रहें।

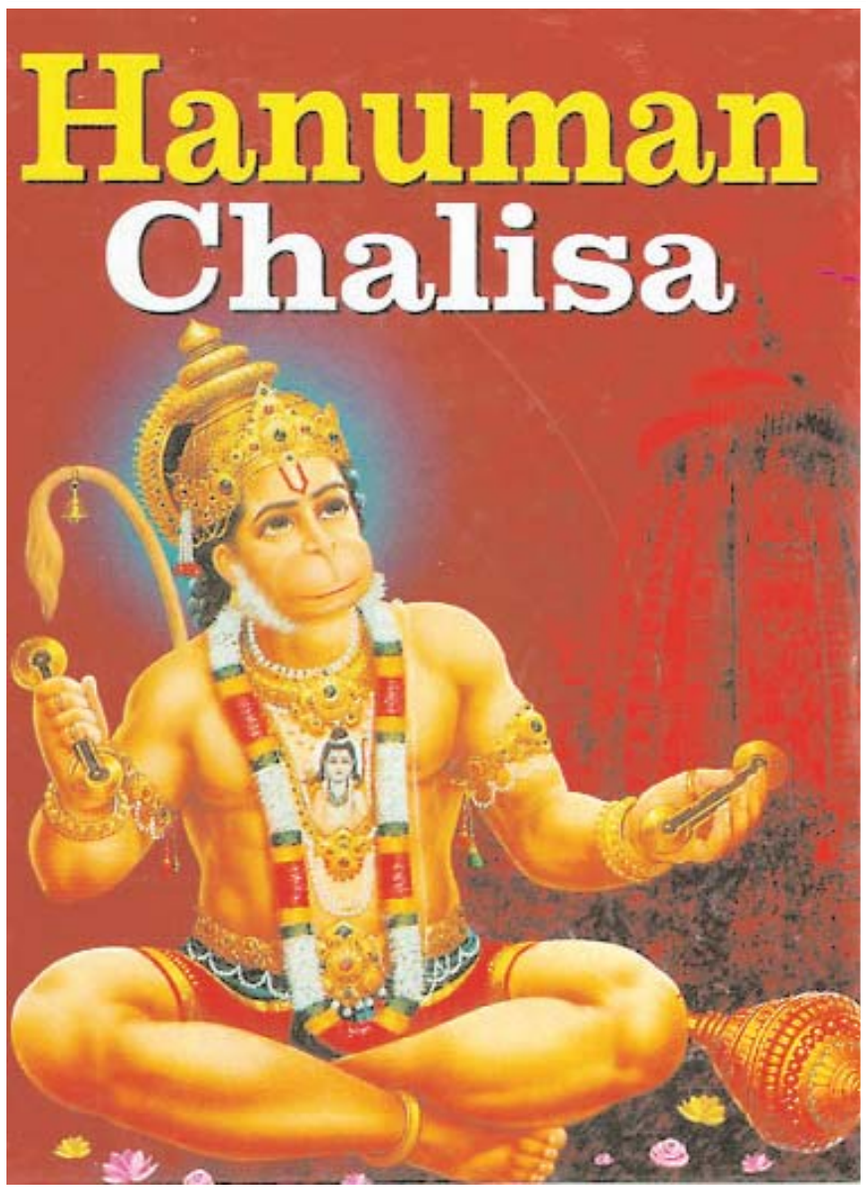

हनुमान चालीसा की इन 5 चौपाइयों में है दिव्य शक्ति

ुमानजी की स्तुति हनुमान चालीसा से हम सभी परिचित हैं। हनुमान चालीसा की रचना गोस्वामी तुलसीदास जी ने की । हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित है कि बाल्यकाल में जब हनुमानजी ने सूर्य को मुंह में रख लिया तब सूर्य को मुक्त कराने के ए देवराज इंद्र ने हनुमानजी पर शस्त्र से प्रहार किया। इसके बाद हनुमान जी मूर्छित हो गए। हनुमानजी के मूर्छित ने की बात जब वायु देव को पता चली तो काफी नाराज हुए। लेकिन जब सभी देवताओं को पता चला कि हनुमानजी गवान शिव के रुद्र अवतार हैं, तब सभी देवताओं ने हनुमानजी को कई शक्तियां दीं। देवताओं ने जिन मंत्रों और ुमानजी की विशेषताओं को बताते हुए उन्हें शक्ति प्रदान की थी, उन्हीं मंत्रों के सार को गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान ीसा में वर्णित किया है।

ुमान चालीसा में मंत्र नहीं है लेकिन हनुमानजी की पराक्रम की विशेषताएं बताई गई हैं। हनुमान चालीसा में ही ऐसी 5 गाईयां हैं, जिनका यदि नियमित सच्चे मन से वाचन किया जाए तो यह परम फलदायी सिद्ध होती हैं। हनुमान चालीसा का ान मंगलवार या शनिवार करना शुभ होता है। ध्यान रखें हनुमान चालीसा की इन चौपाइयों को पढ़ते समय उच्चारण की ें न करें।

त-पिशाच निकट नहीं आवे। महावीर जब नाम सुनावे।।

ाय- यदि व्यक्ति को किसी भी प्रकार का भय सताता है तो नित्य रोज प्रातः और सायंकाल में 108 बार इस चौपाई का जाप या जाये तो सभी प्रकार के भय से मुक्ति मिलती है।

ासै रोग हरै सब पीरा। जपत निरंतर हनुमत बल बीरा।।

ाय- यदि व्यक्ति बीमारियों से घिरा रहता है तो निरंतर सुबह-शाम 108 बार जप करके तथा मंगलवार को हनुमान जी की र्ति के सामने पूरी हनुमान चालीसा के पाठ से रोगों की पीड़ा खत्म हो जाती है।

ष्ट-सिद्धि नवनिधि के दाता। अस बर दीन जानकी माता।।

ाय- यदि जीवन में व्यक्ति को शक्तियों की प्राप्ति करनी है ताकि जीवन निर्वाह में मुश्किलों का कम सामना करना पड़े तो त्य रोज, ब्रह्म मुहूर्त में आधा घंटा इन पंक्तियों के जप से लाभ प्राप्त हो सकता है।

द्यावान गुनी अति चातुर। रामकाज करीबे को आतुर।।

ाय- यदि किसी व्यक्ति को विद्या और धन चाहिए तो इन पंक्तियों के जप से हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त हो जाता है। ोदिन 108 बार ध्यानपूर्वक जप करने से व्यक्ति के धन सम्बंधित दुःख दूर हो जाते हैं।

ोम रूप धरि असुर संहारे। रामचंद्रजी के काज संवारे।।

ाय- यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं से परेशान हैं या व्यक्ति के कार्य नहीं बन पा रहे हैं तो हनुमान चालीसा की इस चौपाई का कम कम 108 बार जप करना चाहिए।

मालवा की वैष्णो देवी नीमच की भादवा माता

आज हम आपको एक ऐसे शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनकी कृपा से शहर में कोई भूखा नहीं सोता। किसी के पास पैसे की तंगी नहीं रहती है। लोक कथाओं के अनुसार, हरसिद्धि मंदिर में उज्जैन के राजा रहे विक्रमादित्य की आराध्य देवी का वास है। शिवपुराण के अनुसार दक्ष प्रजापति के हवन कुंड में माता के सती हो जाने के बाद भगवान भोलेनाथ सती को उठाकर ब्रह्मांड में ले गए थे। इस दौरान माता सती के अंग जिन स्थानों पर गिरे, वहां शक्तिपीठ स्थापित हो गए। कहा जाता है इस स्थान पर माता के दाहिने हाथ की कोहनी गिरी थी और इसी कारण से यह स्थान भी एक शक्तिपीठ बन गया है। स्कंद पुराण के अनुसार, देवी को चंड एवं मुंड नामक राक्षस के वध के लिए भगवान शिव से सिद्धि मिली थी, इसीलिए वह हरसिद्धि कहलाई। गर्भगृह में एक शिला पर श्रीयंत्र उत्कीर्ण है, जो शक्ति का प्रतीक है। यहां माता लक्ष्मी, महासरस्वती के साथ ही अन्नपूर्णा माता विराजमान हैं। यह स्थान उज्जैन के प्राचीन देवी स्थानों में अपना विशेष महत्व रखता है। वर्तमान में मंदिर के पुनर्निर्माण का श्रेय मराठों को जाता है। मंदिर के सामने मराठा वास्तुकला के अनुसार दीप स्तंभ स्थापित किए गए हैं, जिनमें 1001 दिये बने हुए हैं। दक्षिण में बनी एक बावड़ी पर 1447 संवत का एक शिलालेख भी उत्कीर्ण है। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित शेषनारायण गोस्वामी ने बताया कि गर्भगृह में सबसे ऊपर विराजमान हैं मां अन्नपूर्णा, जिनकी वजह से उज्जैनी में हमेशा भंडारे चलते रहते हैं। कहा जाता है कि उनकी कृपा से उज्जैन में कोई भूखा नहीं सोता है। बीच में मां लक्ष्मी के स्वरुप में है, जिनकी वजह से किसी को भी लक्ष्मी की कमी नहीं आती। सबसे नीचे विराजित हैं महाकाली।

संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है।अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं।

दुनिया के बड़े धर्मों की नजर में क्या है शुभ-अशुभ

शुभ और अशुभ व पुण्य और पाप की समस्या कर्म-फल-सिध्दांत पर आधारित हैं। जीव यदि अशुभ कर्मों की ओर प्रेरित होता है तो इसके पीछे उसकी अल्पज्ञता, अज्ञान होता है। संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। ईसाई धर्म में ईश-चिंतन के संदर्भ में उक्त विचारधारा प्राप्त होती है। ईश्वर परम शुभ है। अत : उस पर पाप या अशुभ का आरोपण नहीं किया जा सकता। बाइबिल में काम-वासना को पाप या अशुभ की संज्ञा दी गई है और उसका शैतान कहा गया है। ईसाई नीतिशास्त्र में पाप या अशुभ पर विचार करते हुए कतिपय महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं। इस संसार का निर्माण परमेश्वर ने किया, किन्तु संसार में सर्वत्र पाप ही पाप है। यदि ईश्वर ने सृष्टि की रचना की और ईश्वर शुभ और सर्वशक्तिमान है तो सृष्टि में शुभ ही शुभ होना चाहिए। ईसाई धर्म के अनुसार ईश्वर ने मनुष्य को कर्म की स्वतंत्रता प्रदान की है। अत- अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं। बाइबिल में ईसा मसीह को पुत्रेश्वर कहा गया है। परमेश्वर के पुत्र के रूप में ईसा मसीह संसार के पापों को दूर करने के लिये-ही धरती पर आए थे।

बुधवार के दिन विघ्नहर्ता गणेश को ऐसे मनाएं

विघ्नहर्ता विनायक भगवान गणेश की पूजा यदि सच्चे मन से की जाए तो हर समस्या का समाधान संभव है। बुधवार भगवान गणेश का दिन होता है। बुधवार को गणेश की पूजा करें तो संतान, शिक्षा और भाग्य समृद्ध होता है। गणपति की उपासना से कुंडली के अशुभ योग भी खत्म हो जाते हैं। इसीलिए कलयुग में उन्हें विघ्नविनाशक के रूप में पूजा जाता है। श्रीगणेश जी की बुधवार को पूजा करने का विधान हमारे धर्मग्रंथों में मौजूद है।

बुधवार को प्रात :काल में स्नानादि से निवृत होकर ताम्र पत्र के श्री गणेश यन्त्र को नमक, नींबू से अच्छे से साफ करें। यंत्र को शुद्ध जल से धोने के बाद पूजा स्थल पर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख कर के आसान पर विराजमान हो कर सामने श्री गणेश यन्त्र की स्थापना करें। आसान पर बैठने के बाद दांयी हथेली में जल ले कर आसान व भूमि पर जल छिड़कते हुए नीचे लिखे मंत्र को पढ़ें....

ऊं अपवित्र : पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोपि वा।
य : स्मरेत पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तर : शुचि :।।

अब गणेश यंत्र को शुद्ध जल चढ़ाते हुए मंत्र बोले

गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति ।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलऽस्मिन्सन्निधिं कुरु।।

यदि आप इस मंत्र की आराधना सच्चे मन से करते हैं तो आपकी मनोकामना जरूर पूरी होती है।

जैन मुनि को यह कार्य करवाना है अनिवार्य

हाल ही में गुजरात 12वीं बोर्ड में 99.99 प्रतिशत हासिल करने वाले वर्शिल शाह जैन, जैन संत बन गए हैं। वर्शिल महज 17 साल के हैं और गुजरात के ही पालड़ी के रहने वाले हैं। दर्शिल अब जैन मुनि सुवीर्य रत्न विजयजी महाराज के नाम से जाने जाएंगे। पिछले वर्षों में गौर किया जाए तो युवाओं द्वारा संन्यास लेने की सिलसिला काफी बड़ा है। जैन धर्म के अनुयायियों के लिए भले ही यह पूरा घटनाक्रम सकारात्मक हो, लेकिन जैन धर्म के इतिहास पर नजर डालें तो पाएंगे कि जैन धर्म में संन्यास लेने वाले अनुयायी को मुनि की उपाधि दी जाती है। संन्यास लेने के बाद जैन मुनि को निर्ग्रन्थ भी कहा जाता है। मुनि शब्द पुरुषों के लिए तो आर्यिका शब्द स्त्री संन्यासियों को संबोधित किया जाता है। प्रत्येक जैन मुनि को केश-लोच करना अनिवार्य होता है।

तो क्या इतना प्राचीन है जैन धर्म

जैन धर्म ग्रंथों के अनुसार यह धर्म अनादि और सनातन है। यदि आर्यों के भारत आने के बाद से भी देखा जाये तो ऋषभदेव और अरिष्टनेमि को लेकर जैन धर्म की परंपरा वेदों तक पहुंचती है। पुराणों में वर्णित है महाभारत के युद्ध के समय इस संप्रदाय के प्रमुख नेमिनाथ थे, जो जैन धर्म में मान्य तीर्थंकर हैं। आठवीं सदी में 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ हुए, जिनका जन्म काशी में हुआ था। काशी के पास ही 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ का जन्म हुआ था। इन्हीं के नाम पर सारनाथ का नाम प्रचलित है। जैन धर्म में श्रमण संप्रदाय का पहला संगठन पार्श्वनाथ ने किया था। ये श्रमण वैदिक परंपरा के विरुद्ध थे। महावीर तथा बुद्ध के काल में ये श्रमण कुछ बौद्ध तथा कुछ जैन हो गए थे। इन दोनों ने अलग-अलग अपनी शाखाएं बना लीं। भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे, जिनका जन्म लगभग ई.पू. 599 में हुआ और जिन्होंने 72 वर्ष की आयु में देहत्यागी। महावीर स्वामी ने शरीर त्यागने से पहले जैन धर्म की नींव काफी मजबूत कर दी थी। अहिंसा को उन्होंने जैन धर्म में अच्छी तरह स्थापित कर दिया था। सांसारिकता पर विजयी होने के कारण वे जिन (जयी) कहलाए। उन्हीं के समय से इस संप्रदाय का नाम जैन हो गया।

आप भी भगवान को फूल चढ़ाते हैं, जानें पाप कमा रहे हैं या पुण्य

राजा राम मोहन राय के बगीचे में बड़े ही सुंदर फूलों के पेड़ लगे थे। एक व्यक्ति था जो हर रोज वहां आता और उनसे पूछे बिना ही पूजा के लिए फूल तोड़ कर ले जाता। यह सिलसिला लगातार कई दिनों तक चलता रहा। रोज की तरह ही एक दिन उस व्यक्ति ने फूल तोड़ने के लिए अपनी चादर उतारी और पेड़ पर लटका कर फूल तोड़ने लगा। उसी समय राजा राम मोहन राय के आदेशानुसार एक सेवक ने उस व्यक्ति की वह चादर उठा ली और राजा राम मोहन राय को दे दी।

फूल तोड़ने के बाद जब वह व्यक्ति अपनी चादर लेने के लिए उस पेड़ के पास गया, जहां उसने उसे लटकाई थी, तो वहां चादर न देख वह हैरान रह गया और सोचने लगा कि आखिर उसकी चादर गई कहां? वह गुस्से से आग-बबूला हो गया। कुछ देर बाद राजा राम मोहन राय आए और उन्होंने उस व्यक्ति को उसकी चादर लौटाते हुए कहा, 'अब तो खुश हैं आप, आपको आपकी चादर वापस मिल गई।

उस व्यक्ति ने गुस्से में ही जवाब दिया, खुश? इसमें खुश होने वाली कौन-सी बात है, मुझे अपनी ही वस्तु मिली है।''

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से पूछा, आप रोज फूल तोड़कर कहां ले जाते हैं?

उस व्यक्ति ने जवाब दिया, मैं ये फूल तोड़कर मंदिर में ले जाता हूं। भगवान को खुश करने के लिए उनको ये फूल अर्पित करता हूं।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति का यह जवाब सुनकर कहा, पहली बात तो यह कि आप बिना पूछे ही फूल तोड़कर ले जाते हैं। चलो कोई बात नहीं, लेकिन आप भगवान की दी हुई वस्तु भगवान को अर्पित करते हैं, तो इससे भगवान खुश होते हैं क्या?

उस व्यक्ति ने कहा, क्यों नहीं, भगवान को फूल ही तो पसंद हैं, भगवान को फूलों से खुशी मिलती है।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से कहा, तो आपको चादर मिलने पर खुशी क्यों नहीं हुई?

राजा राम मोहन राय की यह बात सुनकर वह व्यक्ति सोच में पड़ गया और राजा राम मोहन राय बिना कुछ और कहे लौट गए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

काबुल में अंदरूनी हमले में 8 अफगान पुलिसकर्मियों की मौत

काबुल। अशांत हेलमंद प्रांत की राजधानी लश्कर गाह में रविवार को एक पुलिस चौकी पर कथित अंदरूनी हमले में आठ अफगान पुलिसकर्मियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। एक शीर्ष प्रांतीय अधिकारी ने कहा कि यह घटना रविवार तड़के हुई जब तालिबान के एक घुसपैठिए ने पुलिसकर्मी के रूप धारण करके कलाई बस्त इलाके में चौकी के अंदर पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाईं, जिसमें आठ लोग मारे गए । घटना के बाद हमलावर तेजी से भाग निकला। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार इस बीच, हेलमंद पुलिस के प्रवक्ता मोहम्मद जमान हमदर्द ने घटना की पुष्टि की है, लेकिन विवरण नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कलाई बस्त इलाके में पुलिस और तालिबान विद्रोहियों के बीच हुई गोलीबारी में दोनों पक्षों के हताहत हुए हैं। हेलमंद प्रांत के कुछ हिस्सों में सक्रिय तालिबान संगठन ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

बढ़ते कोरोना वायरस केस के कारण बांग्लादेश में 30 जून तक बंद रहेंगे स्कूल, कॉलेज

ढाका। बांग्लादेश में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच सरकार ने स्कूलों और कॉलेजों को 30 जून तक बंद रखने का फैसला लिया है। उल्लेखनीय है कि महामारी को फैलने से रोकने के लिए बांग्लादेश ने 17 मार्च, 2020 को सभी स्कूलों को बंद कर दिया था। सभी परीक्षाएं भी रद्द कर दी गयी हैं। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को अधिसूचना में कहा कि सभी प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक और कॉलेज स्तर के संस्थान, मदरसे आदि धार्मिक स्कूल 30 जून तक बंद रहेंगे। शिक्षा मंत्री दिपू मोनी ने पिछले महीने कहा था कि संक्रमण को ध्यान में रखते हुए समीक्षा के बाद 13 जून से स्कूलों में सामान्य शिक्षण शुरू किया जा सकता है। अधिसूचना के आधार पर अखबार ने लिखा है, ''कुछ जिलों में कोविड-19 संबंधी स्थिति खराब हुई है और कई क्षेत्रों में लॉकडाउन है। छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अभिभावकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तथा कोविड-19 तकनीकी समिति की सलाह पर प्रतिबंधों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

चीन में गैस पाइप विस्फोट में 11 लोगों की मौत, 37 घायल

बीजिंग। मध्य चीन के हुबेई प्रांत में रविवार सुबह भीषण गैस विस्फोट में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 37 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। आधिकारिक मीडिया ने यह खबर दी। यह विस्फोट झांगवान जिले के शियान शहर में सुबह करीब छह बजकर 30 मिनट पर हुआ। खबरों के मुताबिक जिले में एक बाजार सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। सरकारी चैनल 'सीजीटीएन-टीवी' ने खबर दी कि धमाके में कई इमारतें तबाह हो गईं और 11 लोगों की मौत हुई तथा 37 अन्य घायल हो गए। हांगकांग के अखबार 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने खबर दी कि विस्फोट शियान के यान्हु बाजार में हुआ जहां कई लोग नाश्ता कर रहे थे या बाजार में सब्जी खरीद रहे थे। शहर के नगरपालिका कार्यालय ने घटना के बाद शुरू में कहा था कि कई लोग मलबे के नीचे दब गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'वीबो' पर प्रसारित तस्वीरों और वीडियो फुटेज में कई घर जमींदोज दिखे और बचाव कर्मी इन तबाह हुए घरों से बड़े पैमाने पर मलबा हटाते दिख रहे हैं। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

बिजली की कमी से निपटने के लिए अजरबैजान से इलेक्ट्रिसिटी आयात कर रहा ईरान

तेहरान। देश में बिजली की कमी की समस्या से निपटने के लिए ईरान ने अपने पड़ोसी देश अजरबैजान से बिजली लेना शुरू कर दिया है। एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।

ईरानी उर्जा मंत्रालय के बिजली उद्योग के प्रवक्ता मुस्तफा राजाबी मशहदी ने शनिवार को कहा, गुरुवार को ईरान के उत्तर-पश्चिम में मोघन की बिजली ग्रिड को अजरबैजान में बिजली ग्रिड के साथ जोड़ा गया, ताकि देश के पावर ग्रिड को 73 मेगावाट बिजली की आपूर्ति कराई जा सके। गर्मियों में बढ़ती मांग और अन्य कई कारकों की वजह से हाल के दिनों में ईरान में बिजली की आपूर्ति में कमी आई है। मशहदी ने बिजली ग्रिड पर दबाव को कम करने के लिए घरेलू उपभोक्ताओं से अपनी खपत को नियंत्रित करने का आह्वान किया। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में बिजली की खपत का 50 प्रतिशत से अधिक घरेलू खपत के लिए आवंटित किया जाता है। गर्मियों के मौसम में बिजली की आपूर्ति सही से करवाना यहां किसी चुनौती से कम नहीं है क्योंकि इस दौरान यहां तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तक पहुंच जाती है, ऐसे में राहत पाने के लिए लोग एयर कंडीशनर का उपयोग बढ़ा देते हैं।

सऊदी आगामी हज सीजन को घरेलू तीर्थयात्रियों तक रखेगा सीमित

रियाद । सऊदी अरब की सरकार ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर आगामी हज सीजन को अधिकतम 60,000 व्यक्तियों तक सीमित कर दिया है। इस बार इसमें केवल घरेलू तीर्थयात्री ही शामिल हो सकेंगे।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार को अपनी इस घोषणा में हज और उमराह मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक महामारी के प्रकोप और वायरस के नए म्यूटेशन को देखते हुए इस साल वार्षिक तीर्थयात्रा करने के इच्छुक लोगों के लिए पंजीकरण की उपलब्धता को केवल देश के नागरिकों और निवासियों के लिए सीमित करने का निर्णय लिया गया है।

इजराइल में शपथ लेने वाली है नयी सरकार, बेंजमिन नेतन्याहू के लंबे शासन पर लगा विराम

यरूशलम। (एजेंसी)।

इजराइल में रविवार को नयी सरकार शपथ लेने जा रही है जिसके बाद प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू 12 साल के रिकॉर्ड शासन के बाद विपक्ष में बैठेंगे। इसी के साथ पिछले दो वर्षों में चार बार चुनाव होने के बाद उत्पन्न हुए राजनीतिक संकट का भी समाधान हो जाएगा। अति राष्ट्रवादी पार्टी के अध्यक्ष नफ्ताली बेनेट प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। लेकिन अगर वह इस पद पर बने रहना चाहते हैं तो उन्हें दक्षिणपंथी, वामपंथी और उदारवादी पार्टियों के भारी-भरकम गठबंधन को बरकरार रखना होगा।

सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल होकर इतिहास रच रहे एक छोटे अरब गुट समेत आठ दल नेतन्याहू का विरोध करने और नये सिरे से चुनाव कराने के खिलाफ एकजुट हुए हैं लेकिन बहुत कम मुद्दों पर सहमत हैं। उनके एक मामूली एजेंडा पर आगे बढ़ने की संभावना है जिसका मकसद फलस्तीनियों के साथ तनाव कम करने और बिना कोई बड़ी पहल शुरू किए अमेरिका के साथ अच्छे संबंध बरकरार रखने का है। भ्रष्टाचार के मामले में मुकदमे का सामना कर रहे नेतन्याहू संसद में सबसे बड़ी पार्टी के अध्यक्ष बने हुए हैं और समझा जाता है कि नयी सरकार का पुरजोर विरोध करेंगे। अगर एक भी गुट पीछे हटता है तो नयी सरकार अपना बहुमत गंवा देगी और सरकार गिरने का जोखिम पैदा हो जाएगा जिससे नेतन्याहू को सत्ता में लौटने का मौका मिल सकता है।

नयी सरकार उतार-चढ़ाव भरे दो वर्षों में चार बार चुनाव होने, पिछले महीने गाजा के साथ 11 दिन तक युद्ध चलने और देश की अर्थव्यवस्था को तबाह करने वाले कोरोना वायरस प्रकोप के बाद सामान्य हालातों का वादा कर रही है। हालांकि, कोरोना वायरस के प्रकोप को सफल टीकाकरण अभियान के बाद काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है। गठबंधन के पीछे की सबसे बड़ी ताकत याइर लापिद हैं। वह एक उदारवादी नेता हैं जो सरकार का कार्यकला लंबा चलने की स्थिति में दो वर्षों में प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

इजराइल की संसद 'नेसेट' स्थानीय समयानुसार शाम चार बजे नयी सरकार पर वोट के लिए बुलाई जाएगी। 120 सदस्यीय संसद में कम से कम 61 मतों के बहुमत से इसके जीतने की उम्मीद है जिसके बाद नयी सरकार शपथ लेगी। सरकार शाम में अपनी पहली आधिकारिक बैठक करने की योजना बना रही है। यह साफ नहीं है कि नेतन्याहू समारोह में शामिल होंगे। यह भी स्पष्ट नहीं है कि वह कब आधिकारिक आवास छोड़ेंगे।

'छोटे' समूह दुनिया पर राज नहीं करते...एक्शन के डर से चीन ने जी-7 को दी यह चेतावनी

लंदन। (एजेंसी)।

दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड के कार्बिस बे में शुक्रवार को शुरू हुए जी-7 देशों के सम्मेलन से चीन बुरी तरह चिढ़ गया है। इस समूह को अपने खिलाफ गुटबाजी के तौर पर देखते हुए चीन ने रविवार को धमकी भरे अंदाज में यहां तक कह दिया कि वह दौर काफी पहले खत्म हो चुका जब कुछ देशों के 'छोटे समूह' दुनिया की तकदीर का फैसला करते थे।

लंदन में चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, 'वह समय काफी पहले बीत गया, जब देशों के छोटे समूह वैश्विक फैसले लिया करते थे। हम हमेशा यह मानते हैं कि देश बड़ा हो या छोटा, मजबूत हो या कमजोर, गरीब हो या अमीर सभी बराबर हैं और दुनिया से जुड़े मुद्दों पर सभी देशों के सलाह-मशविरे के बाद भी फैसला लिया जाना चाहिए।'

जी-7 के नेताओं ने चीन के वैश्विक अभियान के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक बुनियादी ढांचा योजना का अनावरण किया है लेकिन फिलहाल इस पर सहमति नहीं बन पाई है कि मानवाधिकारों के उल्लंघन पर चीन को किस तरह रोका जाए।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने जी-7 शिखर सम्मेलन में लोकतांत्रिक देशों पर बंधुआ मजदूरी प्रथाओं को लेकर चीन के बहिष्कार का दबाव बनाने की योजना तैयार की है।

वहीं, शनिवार को कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने चीन को लेकर हुई चर्चा की अगुवाई की। उन्होंने सभी नेताओं से अपील की कि वे चीन की ओर से बढ़ते खतरे को रोकने के लिए संयुक्त कदम उठाएं। बता दें कि जी-7 देश विकासशील देशों को ऐसे बुनियादी ढांचे की स्कीम का हिस्सा बनने का प्रस्ताव देने की योजना बना रहे हैं, जो चीन की अरबों-खरब डॉलर वाली बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव को टक्कर दे सके।

दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड के कार्बिस बे में शुक्रवार को शुरू हुआ यह सम्मेलन रविवार यानी आज संपन्न होगा। जी-7 कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका का एक समूह है।

शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जी-7 देशों के इस सम्मेलन में हिस्सा लिया था। प्रधानमंत्री ने इस दौरान 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' का नारा दिया जिसका जर्मनी की चांसलर एंगेला मकेर्ल ने समर्थन किया। पीएम मोदी ने कोविड-19 जैसी महामारियों की भविष्य में रोकथाम के लिए लोकतांत्रिक और पारदर्शी समाजों को विशेष रूप से जिम्मेदार बताते हुए वैश्विक नेतृत्व एवं एकजुटता कायम करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड संबंधी प्रौद्योगिकियों पर पेटेंट छूट के लिए भारत, दक्षिण अफ्रीका द्वारा डब्ल्यूटीओ में दिए गए प्रस्ताव के लिए जी-7 के समर्थन का आह्वान भी किया।

म्यांमार, वैक्सीन और कोरियाई प्रायद्वीप को परमाणु हथियार मुक्त बनाने पर साथ आए अमेरिका और दक्षिण कोरिया

सिओल। (एजेंसी)।

ब्रिटेन में हुए जी-7 देशों के सम्मेलन में अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच पूरे कोरियाई प्रायद्वीप को परमाणु हथियार मुक्त बनाने पर एकराय कायम हुई है। दोनों का कहना है कि वो म्यांमार और पूरी दुनिया में वैक्सीनेशन और वैक्सीन वितरण को लकर भी एक साथ आए हैं। आपको बता दें कि इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे इन दिनों ब्रिटेन में हैं।

दक्षिण कोरियाई समाचार एजेंसी यॉनहॉप के मुताबिक दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चुंग यूई यॉन्ग और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के बीच हुई बैठक में ये सहमति बनी है। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों को लेकर बातचीत हुई है। आपको बता दें कि पिछले माह मून जे अमेरिका की यात्रा पर भी गए थे। वहां पर उन्होंने राष्ट्रपति बाइडन से कई मुद्दों पर बातचीत की थी। विदेश मंत्रियों की बैठक में ये भी सामने आया है कि दोनों देश साझा हितों के मुद्दों पर भी आगे बढ़ने को तैयार तैयार हैं। इसमें वैक्सीन का उत्पादन और इसका वितरण, तकनीकी विकास, परमाणु ऊर्जा जैसे मुद्दे भी शामिल है। इस संबंध में एक प्रेस रिलीज भी जारी की गई है।

ब्लिंकन और चुंग के बीच हुई बैठक में उत्तर कोरिया का भी मुद्दा उठा। दोनों नेताओं ने इस बात पर जो दिया कि उत्तर कोरिया को बातचीत की मेज पर वापस आना चाहिए और शांति और स्थिरता के लिए प्रयास करने चाहिए। दोनों का ही कहना था कि वो प्रायद्वीप में शांति चाहते हैं। दोनों ही देशों ने इस दिशा में जापान के सहयोग की भी बात की है। विदेश मंत्रालय से जारी एक रिलीज में कहा गया है कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया उत्तर पूर्वी एशिया समेत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग, सुरक्षा और शांति की अपेक्षा रखते हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि दोनों देश इस बात पर भी राजी हुए हैं कि म्यांमार में हालातों को सुधारने के लिए काम करने की जरूरत है। दोनों ने ही अपील की है कि म्यांमार में जल्द से जल्द लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल की जानी चाहिए। आपको बता दें कि दक्षिण कोरिया जी-7 का सदस्य देश नहीं है लेकिन भारत और दक्षिण कोरिया के साथ उसको भी एक गेस्ट के तौर पर इसमें बुलाया गया था।

मेक्सिको में एक बुजुर्ग के घर में मिले हड्डियों के 3,787 टुकड़े, 17 लोगों की हत्या की आशंका

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको सिटी के बाहरी इलाके में एक संदिग्ध हत्यारे के घर की खुदाई कर रहे जांचकर्ताओं को अब तक हड्डियों के 3,787 टुकड़े मिले हैं और ये हड्डियां 17 अलग-अलग लोगों की प्रतीत हो रही हैं।

मेक्सिको के अभियोजकों का कहना है कि यह खुदाई यहीं समाप्त नहीं होगी। खुदाई का काम 17 मई से चल रहा है और जांचकर्ताओं ने उस घर के फर्श को खोद डाला है जहां संदिग्ध रहता था। अब उनकी योजना इस दायरे को आगे बढ़ाने की है। कबाड़ से भरे इस घर में ऐसे लोगों के पहचान पत्र और अन्य सामान मिले हैं जो वर्षों पहले लापता हो गए थे। ये साक्ष्य इस बात का इशारा करते हैं कि हत्या के तार वर्षों पहले के हैं।

अभियोजन कार्यालय ने शनिवार को एक बयान जारी करके कहा, ''हड्डियों के टुकडों का बारीकी से अध्ययन किया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक की बेहद सावधानी से सफाई करना, इस बात की पहचान करना कि ये शरीर के किस भाग के हैं आदि शामिल है और इसके जरिए यह पता लगाया जाएगा कि ये कितने लोगों की हड्डियां हैं। बयान के अनुसार अब तक पाए गए हड्डियों के टुकड़े 17 लोगों के प्रतीत होते हैं।''

संदिग्ध की पहचान उजागर नहीं करने के देश के कानून के कारण अधिकारियों ने 72 वर्षीय संदिग्ध का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। व्यक्ति के खिलाफ 34 वर्षीय एक महिला की हत्या के मामले में मुकदमा चल रहा है। इस व्यक्ति को तब पकड़ा गया जब एक पुलिस कमांडर ने अपनी पत्नी के लापता होने के बाद उस पर संदेह व्यक्त किया। व्यक्ति पुलिस कमांडर की पत्नी को व्यक्तिगत तौर पर जानता था और उसे कमांडर की पत्नी को खरीदारी के लिए साथ ले जाना था। उस दिन महिला घर नहीं लौटी, जिसके बाद पुलिस कमांडर ने अपनी पत्नी के लापता होने में व्यक्ति का हाथ होने का आरोप लगाया। जांच में भी पाया गया कि सीसीटीवी कैमरे में महिला व्यक्ति के घर में जाती तो दिखाई देती है लेकिन वापस आती हुई नहीं दिख रही। बाद में महिला का सामान संदिग्ध के घर से बरामद किया गया।

जी-7 सम्मेलन में भी म्यांमार में लोकतंत्र बचाने की गूंज, अंतरराष्ट्रीय मीडिया सेंटर के निकट प्रदर्शन

टो यो (एजेंसी)।

ब्रिटेन के कार्नवाल में चल रहे जी-7 सम्मेलन स्थल पर म्यांमार में लोकतंत्र को बचाने का मुद्दा भी उठा। यहां म्यांमार के नागरिकों ने प्रदर्शन करते हुए पूरे विश्व का ध्यान खींचा। इन प्रदर्शकारियों ने सैन्य शासन जुंटा पर कार्रवाई की अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मांग की। प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय मीडिया सेंटर के पास किया गया। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्ती लिए हुए थे और उनकी मांग थी कि जी-7 के नेता म्यांमार में लोकतंत्र बहाली के लिए काम करें।

21 वर्षीय एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि वे चाहते हैं कि इन बड़े देशों के नेता सिर्फ म्यांमार की चर्चा न करें, वह सैन्य शासक जुंटा पर कार्रवाई भी करें। इन प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लोकतंत्र की परवाह न करने और सैन्य शासन के स्थाई रूप से सत्ता पर काबिज होने का खामियाजा आखिरकार जनता को ही भुगताना पड़ेगा। वहीं दूसरी ओर म्यांमार के सैन्य शासन जुंटा ने आरोप लगाया है कि पीपुल्स डिफेंस फोर्स प्रदर्शनकारियों को कार्रवाई से बचाने के लिए आतंकवादी तैयार कर रहा है। उन्हें सुरक्षा बलों पर हमले के लिए बाकायदा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एक पत्रकार वार्ता में सैन्य शासन जुंटा के प्रवक्ता जो मिन तुन ने कहा कि प्रशासन ने तीन ऐसे जातीय संगठनों की पहचान की है, जो प्रशिक्षण दे रहे हैं। ऐसे लोगों को उन्होंने आतंकवादी बताया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन लोगों को विस्फोटक से लेकर सुरक्षा बलों से मोर्चा लेने और सरकारी इमारतों को नुकसान पहुंचाने तक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इनके खिलाफ सेना भी तैयारी कर रही है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार एक फरवरी को सैन्य तख्ता पलट के बाद लोकतंत्र समर्थकों ने यह घोषणा की थी कि वे पीपुल्स डिफेंस फोर्स का गठन कर रहे हैं, जो सैन्य शासन के अत्याचार से नागरिकों को बचाने का कार्य करेंगे। इस फोर्स के प्रशिक्षण स्थल पर पिछले दिनों हवाई हमले भी किए गए थे। सैन्य शासन ने इसी सिलसिले में अब तक 638 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप लगाया गया है।

म्यांमार में सैन्य जुंटा ने आतंकी तैयार करने का लगाया आरोप

नेपीता (एजेंसी)।

म्यांमार में सैन्य जुंटा ने शनिवार को आरोप लगाया है कि पीपुल्स डिफेंस फोर्स नागरिकों को सैन्य कार्रवाई से रक्षा के लिए प्रशिक्षण दे रहे हैं। सैन्य प्रवक्ता जॉ मिन टुन ने बताया कि तीन ऐसे समूहों का खुलासा किया गया है जो नागरिकों को यह ट्रेनिंग दे रहे हैं। ऐसे लोगों को उन्होंने आतंकवादी बताया है। उनका कहना है कि नागरिकों को प्रदर्शन के दौरान सैन्य कार्रवाई से रक्षा के लिए पीपुल्स डिफेंस फोर्स के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान उन्होंने ये बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि हिरासत में लिए गए सात लोगों से पूछताछ में यह जानकारी सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन लोगों को विस्फोटक से लेकर सुरक्षा बलों से मोर्चा लेने और सरकारी इमारतों को नुकसान पहुंचाने तक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेना इस पर जवाबी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। एनएचके वर्ल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, म्यांमार में लोकतंत्र समर्थक बलों ने पिछले महीने घोषणा की थी कि उन्होंने एक फरवरी के तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शनकारियों पर सैन्य कार्रवाई से नागरिकों की रक्षा के लिए 'पीपुल्स डिफेंस फोर्स' का निर्माण कर रहे हैं, जो सैन्य शासन के अत्याचार से नागरिकों को बचाने का कार्य करेंगे। इस फोर्स के प्रशिक्षण स्थल पर पिछले दिनों हवाई हमले भी किए गए थे। सैन्य शासन ने इसी सिलसिले में अब तक 638 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप लगाया गया है। म्यांमार में लगभग 20 जातीय अल्पसंख्यक सशस्त्र समूह मौजूद हैं। उनमें से कुछ सेना के खिलाफ लड़ने वाले नागरिकों की सहायता कर रहे हैं। बता दें कि म्यांमार ने इस साल एक फरवरी को आपातकाल की स्थिति की घोषणा की थी और देश की शक्ति रक्षा सेवाओं को कमांडर-इन-चीफ सीनियर जनरल मिन आंग हलिंग को हस्तांतरित कर दिया गया था।

अमेरिका के तीन राज्यों में गोलीबारी की घटनाओं में दो लोगों की मौत, 30 घायल

शिकागो। (एजेंसी)।

अमेरिका के तीन राज्यों में देर रात हुई गोलीबारी की घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गयी और कम से कम 30 अन्य लोग घायल हो गये। अधिकारियों ने इस बारे में बताया। इन घटनाओं ने अमेरिका में हिंसा के इस प्रकार के मामलों में और इजाफा होने की आशंका बढ़ा दी है क्योंकि गर्मियां शुरू हो चुकी हैं और कोरोना वायरस के कारण लगी पाबंदियों में ढील के कारण लोगों को एक दूसरे से मिलने-जुलने की इजाजत मिल गयी है। ये घटनाएं शुक्रवार और शनिवार की रात टेक्सास की राजधानी ऑस्टिन, शिकागो और जॉर्जिया के सवाना में हुईं।

ऑस्टिन में पुलिस ने एक संदिग्ध को पकड़ लिया है और अन्य की तलाश कर रही है। ऑस्टिन में गोलीबारी की घटना में 14 लोग घायल हुए हैं। ऑस्टिन पुलिस विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए 'यूएस मार्शल्स लोन स्टार फ्यूजिटिव टास्क फोर्स' की मदद ली जा रही है हालांकि उन्होंने इस संबंध में और अधिक जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि वे सुरागों के आधार पर संदिग्ध को पकड़ने का प्रयास कर रहे हैं जो अब भी फरार है। अंतरिम पुलिस प्रमुख जोसेफ चाकोन ने बताया कि गोलीबारी की घटना रात करीब डेढ़ बजे सड़क पर हुई। सड़क किनारे कई बार हैं और वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए अवरोधक लगाये गये हैं। उन्होंने बताया कि जांच अधिकारियों का मानना है कि दो पक्षों में विवाद के बाद गोलीबारी की शुरुआत हुई।

चाकोन ने बताया कि दोनों संदिग्ध पुरुष हैं और मामले की जांच जारी है। उन्होंने बताया, ''अधिकतर पीड़ित बेकसूर पैदल यात्री हैं, लेकिन हम इस बात का पता लगा रहे हैं कि घटना के वक्त वे वहां क्यों मौजूद थे।'' उन्होंने बताया कि घटना के बाद अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि सड़क के अवरूद्ध होने के कारण वहां अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गयी थी। पुलिस ने छह घायलों को अपनी कार से अस्पताल पहुंचाया। एंबुलेंस से चार मरीजों को अस्पताल ले जाया गया और चार अन्य खुद ही अस्पताल पहुंचे। गवर्नर ग्रेग एबॉट ने बयान जारी कर पुलिस का शुक्रिया अदा किया है और पीड़ितों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। एबॉट ने बताया कि राज्य का जन सुरक्षा विभाग जांच में मदद कर रहा है। चाकोन ने बताया कि मामले में एफबीआई और शराब, तंबाकू एवं हथियार ब्यूरो की भी सहायता ली जा रही है।

एक चश्मदीद मैट पर्लस्टीन ने केएक्सएएन-टीवी को बताया कि जब गोलीबारी की घटना हुई, तब वह अपने एक दोस्त के साथ बार में घुसने का इंतजार कर रहा था। इस बीच, शिकागो के दक्षिणी छोर पर स्थित चाथम में एक सड़क के किनारे खड़े लोगों के समूह पर दो व्यक्तियों ने गोलियां चलायीं जिससे एक महिला की मौत हो गयी और नौ अन्य घायल हो गये। हमलावर फरार हैं और शनिवार दोपहर तक उनकी पहचान नहीं हो पायी है। जॉर्जिया के सवाना में पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हुई है और सात अन्य घायल हुए हैं। घायलों में दो बच्चे हैं, जिनमें से एक की उम्र 18 महीने और दूसरे की उम्र 13 साल है। सवाना के पुलिस प्रमुख रॉय मिंटर जूनियर ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि गोलीबारी की यह घटना दो समूहों में विवाद का नतीजा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोक गायिका गीता रबारी के स्वास्थ्य विभाग द्वारा घर जाकर टीका लगाने पर विवाद

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,एक ओर 18 से 44 साल के लोगों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने में परेशानी हो रही है, दूसरी ओर लोक गायिका गीता रबारी के घर जाकर कोरोना रोधी टीका लगाने को लेकर विवाद पैदा हो गया है। कच्छ के जिला विकास अधिकारी ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच के आदेश दिए हैं। दरअसल गीता रबारी ने ट्वीटर पर एक फोटो शेयर की थी। जिसमें गीता रबारी के घर पर एक नर्स उन्हें कोरोना रोधी टीका लगा रही है। केवल गीता रबारी को ही नहीं उनके पति समेत परिवार के अन्य लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। बगैर रजिस्ट्रेशन के गीता रबारी को घर जाकर टीका लगाने पर लोग भड़क उठे।

विवाद बढ़ने पर गीता रबारी ने ट्वीटर से ट्वीटर डिलीट कर दी। हांलाकि तब तक पोस्ट के स्क्रीन शोट वायरल होने पर कच्छ जिला विकास अधिकारी भव्य वर्मा ने मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी को जांच का आदेश दे दिया। आदेश के तहत जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जनक माढक ने माधापर की महिला स्वास्थ्य निरीक्षक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। गौरतलब है कोरोना का टीका लगवाने के लिए 18 से 44 वर्ष के लोगों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है और रजिस्ट्रेशन में काफी मुश्किल हो रही है। लोगों को अपने पसंद और निकट केन्द्र नहीं मिलता और उन्हें टीका लगवाने दूर जाना पड़ता है। दूसरी ओर गीता रबारी जैसी सेलिब्रिटी को बगैर रजिस्ट्रेशन के उनके घर जाकर वैक्सीन लगाने की सुविधा मुहैया कराने पर लोगों में आक्रोश भड़क उठा। कई लोगों ने गीता रबारी से रजिस्ट्रेशन के बारे में सवाल किया। जिसका गीता रबारी जवाब नहीं दे पाई और ट्वीटर पर किया पोस्ट डिलीट कर दिया।

टीकाकरण के प्रत्येक चरण में गुजरात 'पर मिलियन वैक्सीनेशन'

गुजरात में अब तक दो करोड़ से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,गुजरात में 2 करोड़ से अधिक लोगों को कोरोना रोधी टीके की डोज दी गई है। जिसमें डेढ करोड़ से अधिक लोगों को कोरोना का पहला और करीब 50 लाख को कोरोना का दूसरा टीका लगाया जा चुका है। राज्य सरकार के अभियान के चलते गुजरात में टीकाकरण अभियान शुरू होने के मात्र पांच महीने में ही 2 करोड़ लोगों को व्यापक टीकाकरण अभियान के अंतर्गत शामिल कर लिया गया है। टीकाकरण के प्रत्येक चरण में गुजरात 'पर मिलियन वैक्सीनेशन' यानी प्रति दस लाख की आबादी पर टीका लगाने के मामले में देश में अव्वल रहा है। अभी राज्य में दैनिक लगभग ३ लाख व्यक्तियों को कोविड-19 टीके की खुराक दी जा रही है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता समूह में 6.17 लाख लोगों को पहली डोज और 4.46 लाख को दूसरी डोज दी गई है। कुल 13.24 लाख फ्रंट लाइन वर्कर को पहली डोज तथा 6.54 लाख को दूसरी डोज दी गई है। वहीं, 45 से अधिक उम्र वाले कुल 99.41 लाख लोगों को पहली खुराक और 33.82 लाख लोगों को टीके की दूसरी खुराक दी गई है। जबकि 18 से 44 आयु वर्ग में 36.02 लाख लोगों को पहली खुराक और 59 हजार लोगों को दूसरी खुराक दी गई है। गुजरात में 16 जनवरी से चरणबद्ध तरीके से टीकाकरण की शुरुआत हुई थी। पहले चरण में हेल्थ और फ्रंटलाइन वर्करों को तथा 1 मार्च से शुरूहुए दूसरे चरण में कोरोरबिड एवं बुजुर्गों को और 1 अप्रैल से शुरू हुए तीसरे चरण में

45 से अधिक उम्र वाले लोग जबकि चौथे चरण में 18 से 44 वर्ष की उम्र वाले लोगों को वैक्सीन देने की शुरुआत हुई थी। हेल्थ और फ्रंटलाइन वर्कर तथा कोरोरबिड व्यक्तियों के सफल टीकाकरण अभियान के बाद राज्य सरकार ने गुजरात स्थापना दिवस, 1 मई से राज्य के युवाओं को वैक्सीन देने की शुरुआत की। 1 मई से राज्य के 7 महानगरों और 3 जिलों में रोजाना 30 हजार डोज देकर युवाओं का टीकाकरण शुरू किया गया। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की अध्यक्षता में नियमित रूप से आयोजित होने वाली कोर कमेटी ने यह निर्धारित किया कि 24 मई से एक सप्ताह तक इन 10 जिलों में 30 हजार के बजाय दैनिक 1 लाख डोज दी जाएगी। इस दौरान पहले के तीन चरणों में पहला डोज लेने वाले व्यक्तियों को दूसरा डोज देने का काम भी भलीभांति चलता रहा। मुख्यमंत्री ने 4 जून से राज्य के सभी जिलों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों का समावेश करते हुए।

देश में पहली बार 20 दिनों में ऑवर ब्रिज बनाने का रिकार्ड बनेगा

क्रांति समय दैनिक

दक्षिण गुजरात के वलसाड में केवल 20 दिनों में ऑवर ब्रिज बनाने का रिकार्ड बहुत जल्द कायम होगा। एक सप्ताह के भीतर ब्रिज का 75 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष 25 फीसदी काम आगामी 20 जून तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस ब्रिज का वलसाड में आरपीएफ मैदान के पास निर्माण हो रहा है। यह ब्रिज वलसाड को अतुल और धरमपुर रोड से जोड़ेगा। ऑवर ब्रिज निर्माण के लिए 2 जून से ट्रैफिक बंद कर दिया गया है। वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर के मुख्य महाप्रबंधक श्यामसिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि रु 4.5 करोड़ लागत से बन रहे इस ब्रिज का निर्माण 2 जून को शुरूहुआ था। हमें पूरा विश्वास था कि इसका निर्माण हम 20 दिन में पूरा कर लेंगे। सरकार ने केवल 20 दिनों के लिए ट्रैफिक ब्लॉक करने की अनुमति दी थी। श्याम सिंह ने बताया कि ब्रिज का 75 प्रतिशत कार्य एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर लिया गया है। शेष 25 प्रतिशत आगामी 2 जून तक पूर्ण हो जाएगा। बता दें कि इस तरह का निर्माण कार्य पूरा होने में कम से कम 100 दिन का समय लगता है। अगर उसका काम नॉन स्टॉप किया जाए। लेकिन यह सड़क वलसाड पूर्व को वलसाड पश्चिम से जोड़ती है। ऐसे में इसपर 100 दिन के लिए ट्रैफिक बंद करना मुमकिन नहीं है। ऐसे में अथॉरिटी ने पहले से इस हिस्सेह बनाकर उन्हें साथ जोड़कर पुल निर्माण करने की योजना बनाई। इस ब्रिज के इन हिस्सोंा को जोड़ने के लिए मौके पर चार हेवी ड्यूटी हाइड्रॉलिक क्रेन स्थापित की

सार-समाचार

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार को उड़ाया, घटनास्थल पर मौत

राजकोट, शहर के आनंद बंगला सर्कल के निकट आज दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में स्कूटी सवार की घटनास्थल पर मौत हो गई। घटना के बाद भाग रहे ट्रक चालक को आसपास के लोगों ने दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक राजकोट के ढेबर रोड स्थित नारायणनगर में रहनेवाले जीवराजभाई पटनी आज दोपहर टीवीएस स्कूटी पर आनंद बंगला चौक के निकट से गुजर रहे थे। उस वक्तट्रक ने स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक की चपेट में आए जीवराजभाई पटनी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल से भाग रहे ट्रक चालक को आसपास के लोगों ने पकड़ लिया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने ट्रक के ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई शुरूकी।

अरविंद केजरीवाल आज गुजरात में , गुजराती में ट्वीट कर कहा ''काले आवुं छुं''

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल सोमवार को गुजरात आ रहे हैं। गुजरात आने से पहले केजरीवाल ने आज गुजराती में ट्वीट किया। जिसमें उन्होंने लिखा ''हुं आवती काले गुजरात आवी रह्यो छुं. बधा भाई-बहनों मळीश।'' बता दें कि बीते दिन पाटीदारों के धार्मिक स्थल खोडलधाम में लेवुआ और कडुवा पटेलों की बैठक हुई थी। खोडलधाम के प्रमुख नरेश पटेल ने आम आदमी पार्टी की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि गुजरात में अब तक तीसरे मोर्चे को कभी सफलता नहीं मिली। लेकिन दिल्ली समेत अन्य राज्यों में जिस प्रकार आप काम कर रही है, उससे देखते हुए गुजरात में आगामी विधानसभा के चुनाव में आप को सफलता मिल सकती है। नरेश पटेल का यह बयान राजकीय गर्भीत संकेत माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक अरविंद केजरीवाल सोमवार की सुबह 10.30 बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से सीधे शाहीबाग सर्किट हाउस जाएंगे। सर्किट हाउस में कई लोगों के आप में शामिल होने की संभावना है और उसके बाद कार्यकर्ता के साथ बैठक के बाद केजरीवाल पत्रकार परिषद को संबोधित कर सकते हैं। केजरीवाल दोपहर अहमदाबाद के नवरंगपुरा क्षेत्र में पार्टी के प्रदेश कार्यालय के उदघाटन करेंगे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की

तिरुपति (आंध्र प्रदेश)। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर के प्राचीन पर्वतीय मंदिर में शनिवार को पूजा अर्चना की। मंदिर के एक अधिकारी ने बताया कि गोयल अपनी पत्नी और परिवार के सदस्यों के साथ एक दिन के लिए गत रात यहां पहुंचे और उन्होंने रविवार तड़के भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। अधिकारी ने बताया कि पूजा के बाद टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी ए वेंकट धर्मा रेड्डी ने पीयूष गोयल को रेशम का कपड़ा और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया गोयल इस साल मार्च में भी मंदिर में दर्शन करने आए थे।

बेलगाम भीड़ ने पश्चिम बंगाल के बीरभूम में युवक की पीट-पीटकर मार डाला

सुरी (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में अपने पड़ोसी की हत्या के आरोपी 26 वर्षीय एक युवक को कुछ लोगों ने कथित रूप से पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने रविवार को इस बारे में बताया। उन्होंने बताया कि घटना कंकड़तला पुलिस थाना अंतर्गत नबासान गांव में हुई। मिटू बागदी ने पिछले साल दिसंबर में कथित रूप से अपने पड़ोसी राजू बागदी की हत्या की थी। कुछ दिन पहले अदालत से जमानत मिलने पर वह गांव लौटा था और गांव पहुंचने पर शनिवार शाम को राजू के परिवार के लोगों ने उसे पकड़ लिया और कथित रूप से उसकी पिटाई की। पुलिस ने उसे गंभीर हालत में बचाया। पुलिस ने बताया कि मिटू को नकराकोंडा गांव के अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधीक्षक नागेंद्र त्रिपाठी ने बताया, ''प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि युवक को पीड़ित के परिवार के सदस्यों ने रंजिश के कारण पीटा।'' पुलिस ने बताया कि मामले में जांच जारी है।

पंजाब के पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल को कोटकपूरा फायरिंग मामले में एसआईटी ने तलब किया

नई दिल्ली। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को कोटकपूरा पुलिस फायरिंग मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने तलब किया है। इंडिया टूडे की खबर के अनुसार प्रकाश सिंह बादल को 16 जून (बुधवार) को एसआईटी के समक्ष पेश होने को कहा गया है। जब पुलिस ने 14 अक्टूबर, 2015 को प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं, जिसमें दो की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। जब ये कार्यवाही हुई तब प्रकाश सिंह बादल पंजाब के मुख्यमंत्री थे। फायरिंग के आदेश किसने दिए, इसकी जांच के लिए प्रकाश सिंह बादल को तलब किया गया है।

तेलंगाना में एक और उपचुनाव में भाजपा की वापसी की कोशिश

हैदराबाद। पूर्व मंत्री एटाला राजेंदर के तेलंगाना विधानसभा से इस्तीफा देने के साथ, राज्य में एक और उपचुनाव होने वाला है। इसमें सत्तारूढ़ टीआरएस और विपक्षी भाजपा एक बार फिर आमने-सामने होंगे। अगले सप्ताह भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले राजेंद्र ने भगवा खेमे को 2023 के विधानसभा चुनावों के लिए तेलंगाना राष्ट्र समिति के वास्तविक विकल्प के रूप में खुद को पेश करने का एक और मौका दिया है। राजेंद्र साल 2009 से हुजुराबाद निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, उस सीट पर कड़ी टक्कर देखने की उम्मीद है। भाजपा अपनी संभावनाओं को लेकर उत्साहित होगी क्योंकि राजेंद्र उस सीट से कभी चुनाव नहीं हारे हैं, जहां उनका अच्छा जनाधार है। दूसरी ओर, टीआरएस राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण करीमनगर जिले में सीट बरकरार रखने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। यह निर्वाचन क्षेत्र 2004 से पार्टी का गढ़ रहा है। 2004 में वी. लक्ष्मीकांत राव हुजूराबाद से टीआरएस के टिकट पर चुने गए थे। उन्होंने 2008 में उपचुनाव में सीट बरकरार रखी। राजेंद्र, जो पहली बार 2004 में कमलापुर निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे और उपचुनाव में इसे बरकरार रखा था, उनको 2009 में हुजूराबाद स्थानांतरित कर दिया गया था। तब से वह टीआरएस के लिए सीट जीत रहे थे। टीआरएस के संस्थापक सदस्यों में से एक, राजेंद्र ने निर्वाचन क्षेत्र पर अपनी पकड़ बनाए रखी। 2009 में, उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के वी कृष्ण मोहन राव को 15,035 मतों से हराया। 2010 के उपचुनाव में, राजेंद्र ने अपनी जीत का अंतर लगभग 80,000 तक बढ़ा दिया और इस बार उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के एम. दामोदर रेड्डी थे।

कोविड-19 टीके की दोनों खुराक ले चुके कर्मचारी सोमवार से कार्यालय आएं : असम सरकार

गुवाहाटी। असम सरकार ने रविवार को कोविड-19 टीके की दोनों खुराक ले चुके अपने सभी कर्मचारियों से सोमवार से कार्यालय आने का निर्देश दिया है। यह आदेश ऐसे समय में दिया गया है जब राज्य में आंशिक लॉकडाउन लागू है। सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त एवं सचिव एम. एस. मणिवन्नन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यह फैसला सरकारी कार्यालयों में सुचारु काम सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। उन्होंने कहा, ''सरकार के सभी कार्यालयों में सुचारु रूप से काम सुनिश्चित करने के लिए असम सरकार अपने सभी कर्मचारियों को जिन्होंने कोविड-19 टीके की दोनों खुराक ले ली हैं, उन्हें निर्देश देती है है कि वे 14 जून 2021 से नियमित रूप से कार्यालय आएं।'' आदेश में कहा गया है कि अर्हता रखने वाले सभी कर्मचारियों को काम करने के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित कोविड-19 संबंधी नियमों का अनुपालन करना होगा। मणिवन्नन ने कहा, ''इस आदेश को संबंधित प्राधिकार से मंजूरी मिली है।''

महाराष्ट्र में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में शिवसेना को गुलाम समझा जाता था: संजय राउत

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना के सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया है कि जब पार्टी 2014 से 2019 के दौरान महाराष्ट्र में भाजपा के साथ सत्ता में थी, तब उससे ''गुलामों'' की तरह व्यवहार किया गया और उसे राजनीतिक तौर पर समाप्त करने की कोशिश की गई। राउत ने शनिवार को उत्तरी महाराष्ट्र के जलगांव में शिवसेना कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''पूर्ववर्ती सरकार में शिवसेना का दोयम दर्जा था और उसे गुलाम समझा जाता था। हमारे समर्थन के कारण मिली ताकत का दुरुपयोग करके हमारी पार्टी को समाप्त करने की कोशिश की गई।''

राउत का बयान ऐसे समय में आया है, जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कुछ दिन पहले मुलाकात की थी, जिसके बाद से राज्य में राजनीतिक अटकलों का बाजार गर्म था। मुख्यमंत्री पद के मुद्दे के कारण शिवसेना-भाजपा गठबंधन 2019 में टूट गया था। शिवसेना भाजपा के सबसे पुराने सहयोगियों में से एक थी। उसने बाद में महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस के साथ एक अप्रत्याशित गठबंधन कर सरकार बनाई। राउत ने कहा कि उन्हें हमेशा लगता था कि महाराष्ट्र में शिवसेना का मुख्यमंत्री होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''भले ही शिव सैनिकों को कुछ नहीं मिला, लेकिन हम गर्व से कह सकते हैं कि राज्य का नेतृत्व शिवसेना के हाथ में है। महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार का (नवंबर 2019 में) इसी भावना के साथ गठन हुआ था।'' विधानसभा चुनाव के बाद नवंबर 2019 में त्रिपक्षीय सरकार के गठन से पहले के घटनाक्रम को याद करते हुए राउत ने कहा कि वरिष्ठ राकांपा नेता अजित पवार, जिन्होंने देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा के साथ सरकार बनाने के लिए कुछ समय के लिए पाला बदल लिया था, वे अब ÷एमवीए के सबसे मजबूत प्रवक्ता÷ हैं। अजित पवार के साथ बनी फडणवीस के नेतृत्व वाली दूसरी सरकार सिर्फ 80 घंटे तक चली थी। राउत ने कहा, ''... राजनीति में कुछ भी हो सकता है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार अब मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा अगला उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव: दयाशंकर सिंह

मथुरा। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह ने कहा कि अगले वर्ष उत्तर प्रदेश में होने वाला विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा और तब भी भाजपा 300 से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाएगी। प्रदेश उपाध्यक्ष सिंह ने वृन्दावन के केशवधाम में शनिवार को आयोजित पार्टी की ब्रजक्षेत्र इकाई की अति महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने के बाद मथुरा में स्थानीय पार्षद के आवास पर वार्ता में यह बात कही।

इस बैठक में भाजपा के शीर्ष नेताओं सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख पदाधिकारियों ने भी भाग लिया। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की उपलब्धियां गिनाते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा, ''योगी सरकार में अपराधी या तो सलाखों के पीछे भेजे गए हैं या फिर मुठभेड़ में मारे गए हैं।''

उन्होंने कहा, ''अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ही सरकार बनाएगी और ऐसा निश्चित रूप से मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में वर्षों बाद आए बदलाव के चलते सम्भव होगा।'' उन्होंने कहा, ''योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में दशकों से रुके हुए विकास कार्यों को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है। हर क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के कार्य कराए जा रहे हैं। जिससे हर वर्ग भाजपा की सरकार से संतुष्ट है।

जम्मू में लोगों को मिली चिलचिलाती गर्मी से राहत, शहर में हुई झमाझम बारिश

जम्मू। जम्मू में रविवार तड़के बारिश होने से लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिली और न्यूनतम तापमान मौसम के औसत से पांच डिग्री कम 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू में बृहस्पतिवार को रात का तापमान मौसम का सबसे अधिक 30.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि एक दिन पहले मौसम का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया और पारा 42.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शहर में देर रात करीब एक बजकर 50 मिनट पर बारिश हुई और छह घंटे तक लगातार बारिश होती रही जिससे मौसम खुशगवार हो गया। मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जम्मू में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान 37.6 मिलीमीटर बारिश हुई। उन्होंने मंगलवार तक हल्की से मध्यम बारिश होने या गरज के साथ छींटें पड़ने का अनुमान जताया है। अधिकारियों ने बताया कि कटरा में 46 मिमी. बारिश हुई और न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनिहाल में सुबह छह बजे से सात बजे तक 32.8 मिमी. बारिश हुई। शहर में रात का तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कांग्रेस और भाजपा कोविड को ध्यान में रखते हुए करेगी 2022 में होने वाले गोवा चुनावों की तैयारी

पणजी (एजेंसी)।

कोविड के खतरे के बीच गोवा में कांग्रेस और भाजपा, आगामी विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के दो राष्ट्रीय महासचिवों बीएल संतोष और सीटी रवि के नेतृत्व में शुक्रवार को भाजपा के पदाधिकारियों और विधायकों में लंबी चर्चा हुई। दूसरी ओर, गोवा डेस्क के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी, दिनेश गुंडू राव के आने वाले सप्ताह में गोवा का दौरा करने की उम्मीद है, ताकि चुनावों की रणनीति तैयार की जा सके। गोवा में साल 2022 की शुरूआत में चुनाव होने वाले हैं। आईएएनएस से बात करते हुए, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश चोडनकर ने कहा, कांग्रेस ने पहले ही सभी 40 विधानसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की एक शॉर्टलिस्ट बना ली है। साल 2017 से भाजपा में शामिल होने के लिए पार्टी छोड़ने वाले 13 विधायकों में से किसी को भी टिकट आवंटित नहीं किया जाएगा। चोडनकर ने कहा, हर बार इन पार्टी हॉपर्स पार्टी छोड़ते है और चुनाव से पहले वापस शामिल होने आ जाते हैं। हालांकि इस बार कुछ अलग होगा। हम लोग उनकी वापसी को स्वीकार नहीं करेंगे। हमें लोगों का विश्वास जीतना है। उम्मीदवारों में शत प्रतिशत युवा और नए चेहरे होंगे। 2019 में कांग्रेस के दस विधायक सामूहिक रूप से भाजपा में शामिल हुए थे। अगले हफ्ते गुंडू राव के सामने एजेंडा के बारे में बोलते हुए, चोडनकर ने कहा कि इसका उद्देश्य संगठन को चुनाव के मूड में रखना था। उन्होंने कहा, हमने इस सरकार के खराब फैसलों के खिलाफ कई विरोध प्रदर्शन किए हैं। हमने उनके गलत कामों और भ्रष्टाचार के कृत्यों को भी उजागर किया है। अब समय गियर बदलने और चुनाव मोड में आने का है। दूसरी ओर, भाजपा सत्ता में वापसी करने के लिए आश्वस्त है। यहां तक कि एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पार्टी आगामी चुनाव के लिए मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को पार्टी के चेहरे के रूप में पुनर्विचार करने की प्रक्रिया में है। पार्टी पदाधिकारी ने कहा, कोविड की दूसरी लहर को लेकर सरकार का प्रबंधन कमजोर पाया गया। इसकी छवि धूमिल हुई है। हमने मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों को खुद को साबित करने का एक और मौका दिया है। शीर्ष पद के लिए भाजपा के पास नेताओं की कमी नहीं है। दूसरी कोविड लहर के दौरान कई सौ रोगियों की मृत्यु हो गई। जिनमें दर्जनों ऑक्सीजन की कमी के कारण मर गए। यहां तक कि राज्य की सकारात्मकता दर राष्ट्रीय चार्ट में सबसे ऊपर है। राज्य भाजपा पदाधिकारियों और विधायकों के साथ दिन भर की बातचीत के दौरान, संतोष और रवि दोनों ने चुनाव से पहले राज्य सरकार की छवि को बचाने के महत्व पर जोर दिया। शीर्ष राष्ट्रीय नेताओं के साथ आमने सामने होने के लिए प्रत्येक विधायक को 15 मिनट आवंटित किए गए थे। राजस्व मंत्री जेनिफर मोनसेरेट ने शुक्रवार को शीर्ष युगल से मुलाकात के बाद कहा, नेताओं ने अगले चुनाव से संबंधित मेरे निर्वाचन क्षेत्र में विकास गतिविधियों पर अपडेट मांगा। पत्रकारों के साथ बातचीत करने के लिए बैठक से कुछ समय के लिए बाहर निकलते हुए, सीटी रवि ने इस बात पर जोर देने की कोशिश की कि उनकी पार्टी की गोवा सरकार कोविड संकट से अच्छी तरह से निपटी है। उन्होंने तीन पक्षीय महाराष्ट्र सरकार और बड़े राज्य में मौतों की संख्या का हवाला दिया जिसके बाद पत्रकारों ने उन्हें दोनों राज्यों के आकार और आबादी में भारी अंतर के बारे में याद दिलाया।

स्टालिन राज्य में ईंधन की कीमत में कटौती के वादे को पूरा करे: पनीरसेल्वम

चेन्नई (एजेंसी)।

एआईडीएमके के समन्वयक और तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम ने तमिलनाडु में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी की मांग की है।

उन्होंने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से राज्य में पेट्रोल की कीमत में 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 4 रुपये प्रति लीटर की कमी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि द्रमुक ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में वादा किया था कि सत्ता में आने के बाद वे ईंधन की कीमतों में कमी करेंगे। अन्नाद्रमुक नेता ने शनिवार को एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार को उत्पाद शुल्क में कटौती करने और पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने के प्रयास करने चाहिए। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 7 मई को डीएमके सरकार के सत्ता संभालने के बाद से पेट्रोल की कीमत 93.17 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 97.43 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 86.65 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 91.64 रुपये प्रति लीटर हो गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से 14 जून को राज्य के 27 जिलों में टीएएसएमएसी(शराब बिक्री केंद्र) आउटलेट खोलने से परहेज करने का भी आह्वान किया, जिसमें इन जिलों में कोविड के ताजा मामलों में कमी आई है। एक अलग बयान में अन्नाद्रमुक नेता ने कहा कि मानव जीवन राज्य के राजस्व से ज्यादा कीमती है।

यूपी में कांग्रेस लेफ्ट की ओर तो, उसके नेता राइट की ओर खिसके

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का झुकाव वामपंथ की ओर हो रहा है, तो उसके नेता एक के बाद एक दक्षिणपंथ की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। पार्टी उस राज्य में तेजी से अलग-थलग होती जा रही है, जो कभी उसका गढ़ माना जाता था। पार्टी के अपने ही नेताओं का दावा है कि वामपंथी संगठनों के युवा नेताओं द्वारा इसपर कब्जा किया जा रहा है। उन्होंने कहा, पार्टी में जो नया नेतृत्व थोपा जा रहा है, वह वामपंथी है । पार्टी आलाकमान को लगता है कि वे कांग्रेस को पुनर्जीवित कर सकते हैं। पूर्व कांग्रेस नेता नदीम अशरफ जायसी ने कहा, तथ्य यह है कि ये नेता पार्टी की विचारधारा और संस्कृति को भी नहीं समझते हैं। यही कारण है कि अन्य नेता कांग्रेस छोड़ रहे हैं। जायसी अब आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। एक के बाद एक नेता के रूप में कांग्रेस से बाहर ले जाने के बाद, प्रियंका गांधी वाड्रा की टीम के एक प्रमुख सदस्य ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, उत्तर प्रदेश में, पार्टी संगठन और नेतृत्व एक क्रांतिकारी बदलाव के दौर से गुजर रहा है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि पुराने और स्थापित चेहरों की अनदेखी की जा रही है। जितिन प्रसाद, या उस मामले के लिए किसी अन्य दिग्गज को यह समझने की जरूरत है कि राजनीति एक स्थिर मामला नहीं हो सकता है। नेतृत्व और जिम्मेदारियां समय के साथ बदलती हैं। नवंबर 2019 में, यूपी कांग्रेस ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए 10 वरिष्ठ नेताओं - जिनमें से दो पूर्व मंत्री थे - उनको निष्कासित कर दिया था। पार्टी विरोधी गतिविधियां यह थीं कि वे नेहरू जयंती पर एक नेता के आवास पर पार्टी की स्थिति पर चर्चा करने के लिए मिले थे। एक पूर्व एमएलसी और 10 निष्कासित नेताओं में से एक हाजी सिराज मेहंदी ने कहा, उत्तर प्रदेश में और केंद्र में भी कांग्रेस के साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमारे नेता सुनना और चर्चा नहीं करना चाहते हैं। पिछले दो वर्षों से, हम सोनिया गांधी के साथ मिलने का समय मांग रहे हैं, लेकिन असफल रहे हैं। यदि कोई पार्टी कार्यकर्ता अपने नेता से नहीं मिल सकता है, तो आप किसी पार्टी के जीवित रहने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? राज्य के लगभग हर कांग्रेसी व्यक्ति, जो एक दशक से पार्टी में है, की एक ही शिकायत है - वामपंथी विचारधारा के बहुत सारे नेता हैं जिन्हें पार्टी संगठन पर थोपा गया है। अचानक ही ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) और रिहाई मंच जैसे वामपंथी संगठनों से लाए गए नेता प्रमुख पदों पर काबिज हो गए हैं। शुरुआत प्रियंका गांधी के निजी सहायक संदीप सिंह से करें, तो वो आइसा से आए हैं। इसके अलावा प्रशासन प्रमुख और सोशल मीडिया प्रभारी जैसे प्रमुख पदों को संभालने वाले वामपंथी संगठनों के युवा नेता हैं। संदीप सिंह जेएनयू में आइसा के पूर्व अध्यक्ष थे। आइसा के एक अन्य पूर्व पदाधिकारी मोहित पांडे यूपीसीसी के सोशल मीडिया प्रमुख हैं। शाहनवाज हुसैन, जो पहले रिहाई मंच के साथ थे, जो आतंकवादी संदिग्धों की वकालत के लिए जाने जाते हैं, अब यूपीसीसी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रमुख हैं। यूपीसीसी के एक पूर्व प्रवक्ता ने कहा, मैंने पार्टी कार्यालय आना बंद कर दिया है क्योंकि यह वह संस्कृति नहीं है जिसके साथ मैं रहता हूं। आपके पास जूते पहने हुए और टेबल पर पैर रखने वाले नेता हैं। वे हाथों में सिगरेट लेकर घूमते हैं और अभद्र भाषा का प्रयोग करने से पहले नहीं सोचते हैं।

दिग्विजय की कश्मीर की धारा 370 पर राय ने कांग्रेस की बढ़ाई मुश्किलें

भोपाल (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह द्वारा धारा 370 को लेकर क्लब हाउस चैट में दिए गए बयान ने कांग्रेस को मुश्किल में डाल दिया है। इस मसले पर एक तरफ जहां भाजपा हमलावर है तो वहीं उनके परिवार के लोग भी अपरोक्ष रूप से उन्हें घेर रहे हैं । इतना ही नहीं, कांग्रेस का कोई बड़ा नेता खुलकर उनके पक्ष में खड़ा नजर नहीं आ रहा। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने पिछले दिनों क्लब हाउस चैन के दौरान जर्मनी के एक पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में कहा था कि कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया नहीं अपनाई गई, हमें इस मसले पर फिर से विचार करना होगा। यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। दिग्विजय सिंह के इस बयान को भाजपा के तमाम नेताओं ने देश विरोधी करार दिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में दिग्विजय सिंह द्वारा पूर्व में दिए गए बयानों का हवाला दिया है । साथ ही कहा है कि दिग्विजय सिंह जैसे लोगों के दुस्साहस का पानी अब सिर से ऊपर हो चुका है। भारत के विरोध में काम करने वाले ऐसे व्यक्ति की जांच एनआईए सहित अन्य सक्षम एजेंसियों से कराई जानी चाहिए, जिससे अन्य भारत विरोधी ताकतें भी सिर उठाने की हिम्मत न कर सकें। दिग्विजय सिंह ने अपने बयान पर पहले सफाई दी थी उसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा की एनआईए की जांच कराए जाने संबंधी मांग पर ट्वीट किया है। इसके साथ उन्होंने मोहन भागवत के छह साल पुराने एक बयान का भी जिक्र किया है, जिसमें भागवत ने कहा था, भारत-पाकिस्तान रिश्तो में भाई हैं, कौरव पांडवों जैसे, पाकिस्तान हमारा भाई, सरकार मजबूत करें उससे रिश्ते।

सचिन पायलट खेमे के कांग्रेस विधायक का आरोप, गहलोत सरकार करवा रही है विधायकों के फोन टैप

जयपुर। (एजेंसी)।

कांग्रेस विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर कुछ विधायकों के फोन टैप करने का आरोप लगाया है। फोन टैपिंग की शिकायत करने वाले विधायकों में से किसी का नाम लिए बगैर कांग्रेस नेता सचिन पायलट के कट्टर समर्थक सोलंकी ने कहा कि विधायकों को एजेंसियों के फसने का डर है। जयपुर की चाकसू विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक सोलंकी ने संवाददाताओं को बताया, ''मुझे नहीं पता कि मेरा फोन टैप किया गया है या नहीं। कुछ विधायकों ने मुझे बताया कि उनके फोन टैप किये जा रहे हैं। मुझे यह भी पता नहीं है कि राज्य सरकार फोन टैपिंग में शामिल है या नहीं।

कई अधिकारियों ने उन्हें (विधायकों) सचेत किया है कि ऐसा लगता है कि उन्हें फंसाने की कोशिश की जा रही है।'' उन्होंने आगे कहा, ''इनमें से कुछ विधायकों ने मामले की जानकारी मुख्यमंत्री को भी दी है।'' उन्होंने कहा कि वह नहीं जानते कि विधायकों को तकनीकी जानकारी है या नहीं या कोई ऐसा एप भी है जिसके जरिए उन्हें अपना फोन टैप होने की जानकारी मिली है। विधायक के बयान पर विपक्षी भाजपा ने कहा कि कांग्रेस अपने ही विधायकों को डरा-धमका रही है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने ट्वीट किया, ''आज फिर से कांग्रेस के एक विधायक कह रहे हैं कि 'कई विधायक कह रहे हैं कि उनके फोन टैप हो रहे हैं, उनकी जासूसी हो रही है', कांग्रेस बताए कि ये विधायक कौन हैं?'' उन्होंने कहा, ''सो जा बेटा गब्बर आ जाएगा÷ की तर्ज पर कांग्रेस अपने ही विधायकों को डरा रही है।

कांग्रेस बताए गब्बर कब आएगा?'' विधानसभा में प्रतिपक्ष के उपनेता राजेन्द्र राठौड़ ने कहा, ''गहलोत सरकार फिर से जनप्रतिनिधियों को डरा रही है।'' उन्होंने ट्वीट किया, ''अपनी ही सरकार से भयक्रांत कांग्रेस विधायकों का दबी जुबां में फोन टैपिंग की बात कहने से उनकी मनोस्थिति व पीड़ा जगजाहिर हो गई है। ना जाने कब क्या हो जाए...'' गौरतलब है कि पिछले साल जुलाई में पायलट और कांग्रेस के 18 विधायकों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ बगावत कर दी थी। उन्होंने अवैध तरीके से फोन टैपिंग सहित अन्य कई आरोप सरकार के खिलाफ लगाए थे। उस दौरान गहलोत के विशेषाधिकारी (ओएसडी) लोकेश शर्मा द्वारा टेलीफोन पर बातचीत के कुछ ऑडियो क्लिप साझा किए जाने से इन आरोपों को बल मिला था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)